RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 74 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,गुरूवार, 10 सितंबर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

70 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों को मिला नया स्वरूप, काशी से मुख्यमंत्री योगी ने किया राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

विकसित भारत की नींव गांवों और 'आंगनबाड़ी केंद्रों' से होगी

वाराणसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से नौवें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ किया। सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आईं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया और पोषण अभियान में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले साढ़े नौ वर्षों में 70 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक स्वरूप दिया गया है।

बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो जहन्नुम जाओगे, जल्द 50 हजार बेटियों को स्कूटी देंगे

बेटियों की सुरक्षा पर योगी का सख्त संदेश, बोले, बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो जेल या जहन्नुम

माफिया के सामने गिड़गिड़ाने वालों पर साधा निशाना, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय चार गुना बढ़ाया

तीन महीने में एक बार पहुंचता था पोषाहार, 2017 में बदला आंगनवाड़ी केंद्रों का सिस्टम

समृद्ध भारत के लिए पोषित बचपन सबसे बड़ी शर्त: मंत्री अन्नपूर्णा देवी

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि मजबूत और समृद्ध भारत के लिए पोषित बचपन सबसे पहली शर्त है। जनभागीदारी से पोषण अभियान को नई ऊर्जा और गति मिलती है। उन्होंने बताया कि देशभर में 2 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों को 'सक्षम आंगनवाड़ी' के रूप में अपग्रेड किया जा रहा है। यूपी में करीब 24 हजार केंद्रों को इसकी मंजूरी मिल चुकी है, जहां एलईडी स्क्रीन, शुद्ध पेयजल और आधुनिक ईसीसीई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 'पीएम मातृ वंदना योजना' के तहत देशभर में 4.65 करोड़ से अधिक माताओं के खातों में 21 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा डीबीटी के जरिए भेजे जा चुके हैं। महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए सरकार की विभिन्न योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के 'वुमेन लेड डेवलपमेंट' के विजन को प्रभावी तरीके से लागू किया है। 'जीरो टॉलरेंस' और त्वरित न्याय की नीतियों से प्रदेश की बेटियों के लिए सुरक्षित और भयमुक्त माहौल तैयार हुआ है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से सीएम ने पूछा, कुपोषित बच्चों के लिए क्या प्रयास किया?

सीएम आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के काउंटर पर भी पहुंचे। उनके कामकाज के बारे में पूछा। साथ ही स्वयं सहायता समूहों और एनजीओ के साथ मिलकर तैयार किए गए उत्पादों के बारे में भी जानकारी ली। सीएम ने ओडिशा, गुजरात, तमिलनाडु और गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संध्या से सीएम ने पूछा- केंद्र पर आने वाले अति कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने के लिए आपने क्या प्रयास किए? संध्या ने बताया- हमने बच्चों की लंबाई और वजन मापा। रोज उनकी लंबाई और वजन नापे। बच्चों को साफ-सुथरा और पौष्टिक आहार दिया। बच्चों की माताओं से भी मिली। उन्हें बताया कि घर में पौष्टिक भोजन बनाएं और बच्चों को मौसमी फल-सब्जियां दें।

पांच करोड़ माताओं को मिला लाभ

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पांच करोड़ से अधिक माताओं को 2100 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। प्रदेश में 1.90 लाख आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं और पुराने भवनों के नवीनीकरण का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का बढ़ा मानदेय और बीमा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 12 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है, जो पहले लगभग तीन हजार रुपये था। इसके साथ ही उन्हें पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा भी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मान और बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

विकसित भारत की शुरुआत गांवों से होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत का सपना केवल दिल्ली से नहीं, बल्कि गांवों, गलियों, आंगनबाड़ी केंद्रों और बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों से साकार होगा। उन्होंने इस वर्ष की थीम 'मेरी आंगनबाड़ी, मेरी जिम्मेदारी' को जनभागीदारी का अभियान बताते हुए कहा कि आंगनबाड़ी की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत, परिवार और पूरे समाज की भी है।

2017 से पहले की व्यवस्था पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहद खराब थी। न बच्चों के बैठने की व्यवस्था थी, न शुद्ध पेयजल, शौचालय और न ही गर्म भोजन उपलब्ध होता था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय पोषाहार की आपूर्ति एक शराब माफिया के माध्यम से होती थी, जिसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने के बाद सरकार ने जांच कराई और पूरी व्यवस्था में बदलाव किया।

70 हजार केंद्र बने मॉडल, बढ़ीं सुविधाएं

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश में पहली बार लगभग 30 लाख रुपये की लागत से मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र विकसित किए गए हैं। इन केंद्रों में बच्चों के लिए शुद्ध पेयजल, शौचालय, बाल वाटिका, हॉट कुक्ड मील और टेक होम राशन (टीएचआर) जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण नहीं बल्कि प्रारंभिक शिक्षा और बाल विकास के भी महत्वपूर्ण केंद्र बन चुके हैं।

पोषण माह की पांच प्रमुख प्राथमिकताएं

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत पांच प्रमुख विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इनमें आहार विविधता एवं प्रोटीन युक्त भोजन, केंद्रों पर ताजा गर्म भोजन, सामुदायिक भागीदारी, पोषण एवं प्रारंभिक बाल विकास तथा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के बिना पोषण अभियान को सफल नहीं बनाया जा सकता।

फाइल फोटो

लाल किला धमाके में एनआईए का खुलासा

उमर ने कार में बैठकर किया था ब्लास्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए कार विस्फोट की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ा दावा किया है। एनआईए की चार्जशीट के मुताबिक, इस हमले का कथित मास्टरमाइंड उमर उन नबी था, जो विस्फोट में मारा गया था। जांच एजेंसी ने उसे कथित तौर पर फिर से सक्रिय किए गए अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल का संचालन संभालने वाला व्यक्ति बताया है। अब सवाल है कि आखिर उमर उन नबी ने किस तरह इस कथित आतंकी साजिश को आगे बढ़ाया और लाल किले तक विस्फोटक से भरी कार कैसे पहुंची।

कैसे चल रहा था कथित आतंकी मॉड्यूल?

एनआईए की चार्जशीट के अनुसार, आरोपी लोग सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए संपर्क में रहते थे। आरोप है कि नबी ने इस कथित मॉड्यूल के लिए पैसे जुटाने, अवैध हथियार हासिल करने और सदस्यों तथा कथित तौर पर साजिश से जुड़े सामान के लिए जगह उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई। जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में कथित बैठकें होने और सदस्यों को प्रशिक्षण देने की बात भी जांच में सामने आई है। जांच एजेंसी ने रसायनों और प्रयोगशाला के उपकरण बरामद होने का भी दावा किया है।

उमर उन नबी पर क्या आरोप लगाए गए?

एनआईए के मुताबिक, उमर उन नबी उर्फ पिंडा और राहुल भट 2022 की शुरुआत से कथित तौर पर निष्क्रिय पड़े अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल को दोबारा सक्रिय करने में लगा था। जांच एजेंसी ने उसे एजीयूएच इंटरिम का कथित परिचालन प्रभारी बताया है। एजेंसी के अनुसार, यह मॉड्यूल भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा के कथित फिर से सक्रिय रूप का हिस्सा था। एनआई ने ये भी बताया कि उमर ने कार में बैठकर ही सक्रिय किया था बम। एनआईए ने आरोप लगाया कि नबी ने लोगों को कट्टरपंथी बनाया, शहादत और कथित तौर पर आत्मघाती हिंसा को बढ़ावा देने वाली सोच फैलायी, गुप्त बैठकें कराई और आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण तथा जरूरी सामान की व्यवस्था की।

कैबिनेट के अहम फैसले: रेलवे के सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-ट्रैक, कई रूटों पर बढ़ेगी क्षमता

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर लगातार जोर दे रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि आज की बैठक में रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई। ये परियोजनाएं पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के व्यापक बदलाव और आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा हैं।

सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर पर क्या होगा काम?

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के पूर्ण ओवरहाल और आधुनिकीकरण की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके तहत सात हाई-डेंसिटी रेलवे कॉरिडोर को फोर-ट्रैक और क्वाड्रुपल करने की योजना है। इन कॉरिडोर पर ट्रैक क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा, ताकि भविष्य में इन मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात का दबाव संभाला जा सके। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई, मुंबई-चेन्नई, चेन्नई-कोलकाता और कोलकाता-दिल्ली मार्ग मिलकर गोल्डन क्वाड्रिलेटरल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली-चेन्नई और मुंबई-कोलकाता इसके दो डायगोनल हैं। इसके अलावा दिल्ली-गुवाहाटी कॉरिडोर भी इस योजना में शामिल है। इस तरह कुल सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को क्वाड्रुपल यानी चार-लेन किया जा रहा है। वैष्णव के मुताबिक, इन सभी परियोजनाओं पर तोड़ दिया।

पर्यटन स्थलों तक भी बेहतर होगी रेल कनेक्टिविटी?

इन परियोजनाओं से कई प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है। इनमें तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर, बंधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक मंदिर, ज्वालेश्वर धाम, अचानकमार टाइगर रिजर्व, खुटाघाट बांध, मल्हार पुरातात्विक स्थल और रतनपुर महामाया मंदिर समेत कई स्थान शामिल हैं।

किन रेलवे रूटों पर होगा काम?

मंजूर की गई परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड सेक्शन में चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन बनाई जाएगी। सरकार के मुताबिक, अतिरिक्त रेल लाइन बनने से इन मार्गों की क्षमता बढ़ेगी। इससे ट्रेनों की आवाजाही बेहतर होने के साथ परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा।

पांच राज्यों के 14 जिलों को मिलेगा फायदा?

ये तीनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों से होकर गुजरेंगी। परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार, इससे लगभग 4,790 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इन गांवों में करीब 56 लाख लोगों की आबादी है।

3-मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को भी मंजूरी

कैबिनेट समिति ने बुधवार को रेलवे मंत्रालय की तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दे दी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपये है। इनके पूरा होने के बाद भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

चरणबद्ध तरीके से काम आगे बढ़ रहा है। फिलहाल करीब 4,000 किलोमीटर के हिस्से के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

पीएम गति शक्ति के तहत कैसे आगे बढ़ेगा काम?

सरकार ने बताया कि इन परियोजनाओं की योजना पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है। इसका फोकस मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स क्षमता को बेहतर बनाने पर है। इसके लिए एकीकृत योजना और संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श को आधार बनाया गया है। इससे लोगों, सामान और सेवाओं की आवाजाही के लिए बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। सरकार के अनुसार, ये रेल मार्ग कोयला, सीमेंट, लोहा और इस्पात जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं। क्षमता बढ़ने के बाद माल ढुलाई में करीब 27 MTPA यानी 2.7 करोड़ टन सालाना अतिरिक्त यातायात की संभावना है।

पर्यावरण को भी होगा फायदा?

सरकार ने इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय लाभों पर भी जोर दिया है। रेलवे को पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम बताते हुए कहा गया कि इन परियोजनाओं से देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलेगी।

रोडवेज बस ने दो बाइकों में मारी टक्कर, पांच की मौत

मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर जनपद में बुढ़ाना थाना क्षेत्र के भैसाना गांव के पास बड़ौत मार्ग पर रोडवेज बस ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। भीषण हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बागपत के पिता-पुत्री, कांधला के दो युवक और बुढ़ाना क्षेत्र का एक युवक शामिल है।

सामने से आ रही दो बाइकों में मारी टक्कर

हादसा बड़ौत मार्ग पर भैसाना गांव के पास हुआ। बताया गया कि रोडवेज बस ने सामने से आ रही दो बाइकों को

टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

अस्पताल में पांचों की मौत

हादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान पांचों ने दम

मृतकों में ये सभी शामिल

- फरमान (25) पुत्र उमरदीन, निवासी तमेला गढ़ी, बागपत
- अल्लो (3) पुत्री फरमान, निवासी तमेला गढ़ी, बागपत
- साजिद (24) पुत्र समयद्दीन, कांधला, शामली
- इदरीश (70) पुत्र गय्यूरा, कांधला, शामली
- मोमीन (25) पुत्र मंजूर अहमद, राजपुर गढ़ी, बुढ़ाना

मृतकों में पिता-पुत्री और जीजा-साला

हादसे में बागपत के तमेला गढ़ी निवासी फरमान और उनकी तीन वर्षीय बेटी अल्लो की मौत हो गई। दोनों पिता-पुत्री थे। वहीं राजपुर गढ़ी, बुढ़ाना निवासी मोमीन की भी हादसे में मौत हुई। मोमीन, फरमान का बहनोई था। इस तरह एक बाइक पर सवार फरमान, उनकी बेटी अल्लो और मोमीन तीनों की मौत हो गई। दूसरी बाइक पर कांधला के रहने वाले इदरीश और साजिद सवार थे। दोनों की भी हादसे में मौत हो गई।

मेरठ में शौर्य की उड़ान: वायुसेना की सूर्यकिरण टीम रचेगी इतिहास, नौ हॉक विमान आकाश में दिखाएंगे हैरतंगेज करतब

मेरठ

मेरठवासी 19 और 20 सितंबर 2026 को आसमान में ऐसा नजारा देखने जा रहे हैं, जो शहर के लिए इतिहास में पहली बार होने जा रहा है। भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम (स्क्वाड्रन) पहली बार मेरठ में हवाई प्रदर्शन करेगी। नौ लाल-सफेद हॉक एमके-132 विमानों के साथ टीम अपने शानदार फॉर्मेशन और एरोबैटिक करतब से आसमान में रोमांच बिखेरेगी।

हॉक विमानों से दिखेंगे हैरतअंगेज करतब

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा भारत में लाइसेंस के तहत बनाए गए नौ हॉक एमके-132 विमानों के जरिए सूर्यकिरण टीम लूप, बैरल रोल, उल्टी उड़ान और प्रसिद्ध 'डीएनए' फॉर्मेशन जैसे करतब दिखाएगी। टीम के विमान एक-दूसरे से बेहद कम दूरी पर उड़ान भरते हैं। पांच मीटर से भी कम अंतर पर विमानों का इस तरह एक साथ उड़ना पायलटों के बीच सटीक तालमेल, अनुशासन और भरोसे का शानदार प्रदर्शन होगा।

तिरंगे के रंगों से सजेगा मेरठ का आसमान

इस बार प्रदर्शन का एक खास आकर्षण विमानों से निकलने वाला रंगीन धुआं होगा। हॉक एमके-132 विमानों में भारतीय वायु सेना के नासिक स्थित बेस रिपेयर डिपो में विकसित किए गए स्मोक पॉड्स लगाए गए हैं। इनकी मदद से विमान आसमान में केसरिया, सफेद और हरे रंग के धुएं की लकीरें छोड़ सकेंगे।

1996 में बनी थी सूर्यकिरण टीम

सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम का गठन 1996 में हुआ था। टीम ने देशभर में 800 से अधिक प्रदर्शन किए हैं। इसके अलावा चीन, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, सिंगापुर, यूएई और दुबई के एयर शो में भी भारतीय वायु सेना की पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन किया है। टीम को भारतीय वायु सेना का 'एंबेसडर' भी कहा जाता है। सूर्यकिरण के प्रदर्शन के जरिए युवाओं को वायु सेना और रक्षा सेवाओं में करियर के लिए प्रेरित किया जाता है। सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व स्क्वा-30 स्क्वाढ्ढ पायलट ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी कर रहे हैं। टीम के हर प्रदर्शन में सटीकता, अनुशासन, टीमवर्क और उत्कृष्टता पर जोर रहता है। सूर्यकिरण का प्रदर्शन केवल हवाई करतबों और प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा। सशस्त्र बलों में करियर बनाने की तैयारी कर रहे युवाओं को भारतीय वायु सेना की कार्यशैली, अनुशासन और पेशेवर मानकों को करीब से समझने का अवसर भी मिलेगा

मेरठ के तीन पायलटों के लिए खास होगा प्रदर्शन

मेरठ में होने वाला यह प्रदर्शन शहर के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि टीम में मेरठ से जुड़े पायलट भी शामिल हैं। मेरठ के रहने वाले स्क्वाड्रन लीडर अमन गोयल और स्क्वाड्रन लीडर राहुल सिंह को अपने ही शहर के ऊपर सूर्यकिरण फॉर्मेशन का हिस्सा बनकर उड़ान भरने का मौका मिलेगा। वहीं टीम के सदस्य स्क्वाड्रन लीडर शरद गोयल भी उनके साथ मौजूद रहेंगे। अपने शहर के आसमान में सूर्यकिरण के फॉर्मेशन का हिस्सा बनना इन पायलटों के लिए भी गर्व का पल होगा।

शहरवासियों के लिए यादगार होगा 19-20 सितंबर

नौ विमान एक साथ आसमान में सटीक फॉर्मेशन बनाएंगे और तिरंगे की छटा बिखेरेंगे। मेरठ में पहली बार होने वाला यह प्रदर्शन शहरवासियों के लिए एक यादगार अनुभव बनने जा रहा है। 19 और 20 सितंबर का दिन मेरठ के लिए सिर्फ एक एयर शो नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना के साहस, अनुशासन और उत्कृष्टता के साथ शहर के अपने पायलटों की उपलब्धि का भी जश्न होगा।

हाईस्कूल में विज्ञान और गृह विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा अब 30 अंकों की होगी

प्रयागराज

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने हाईस्कूल स्तर पर विज्ञान और गृह विज्ञान विषयों के प्रयोगात्मक कार्य के आंतरिक मूल्यांकन की व्यवस्था में बदलाव किया है। यह जानकारी बुधवार को परिषद के सचिव भगवती सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि अब हाईस्कूल स्तर पर विज्ञान और गृह विज्ञान इन दोनों विषयों की 30 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा परिषद द्वारा आयोजित कराई जाएगी। परिषद की ओर से जारी संशोधित विनियम के मुताबिक हाईस्कूल के अन्य विषयों में प्रयोगात्मक कार्य का आंतरिक मूल्यांकन पहले की तरह पांच प्वाइंट स्केल ग्रेडिंग के आधार पर किया जाएगा। विज्ञान और गृह विज्ञान को इस व्यवस्था से अलग रखा गया है। इन दोनों विषयों में 30 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा परिषद स्वयं आयोजित करेगी। परिषद ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगात्मक परीक्षा में प्राप्त अंक और अन्य विषयों में दिए जाने वाले ग्रेड को अंकपत्र में स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाएगा।

आकृति चौधरी एनएसए मामला: हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी यूपी सरकार, दायर की अपील

एजेंसी। नई दिल्ली

छात्रा व एक्टिविस्ट आकृति चौधरी की एनएसए हिरासत रद्द करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को उत्तर प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती देगी। इस फैसले में दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा और कार्यकर्ता आकृति चौधरी की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत को रद्द कर दिया गया था। मेहता ने यह बयान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ के समक्ष दिया। उन्होंने ग्रेटर नोएडा के एक छात्र को नोटिस जारी करने के संबंध में भी बात की। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने स्पष्ट किया कि ग्रेटर नोएडा के मजिस्ट्रेट ने जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए छात्र को नोटिस जारी किया था। उन्होंने कहा कि नोएडा के जिलाधिकारी को मीडिया से इस संबंध में कई सवाल मिल रहे हैं।

शहर की सरकार चुनने उमड़े भीलवाड़ा के मतदाता, बुजुर्गों का जोश, युवाओं के लिए संदेश...

शाम 6 बजे तक नगर निगम में 62.71 प्रतिशत मतदान, व्हीलचेयर पर पहुंचीं बुजुर्ग मतदाता, संत-महात्माओं ने मतदान कर दिया लोकतंत्र का संदेश

पहली बार बीगोद नगर पालिका का चुनाव, उमड़ा जबर्दस्त जोश, 91.49 फीसदी मतदान ने रचा रिकॉर्ड जैसा नजारा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । वस्त्रनगरी भीलवाडा शहर की सरकार चुनने का मौका आया तो लोकतंत्र के महापर्व में भीलवाड़ा ने उत्साह दिखाया। बुधवार को नगर निगम आम चुनाव-2026 के मतदान के दौरान सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही। युवा, महिलाएं और बुजुर्ग ही नहीं, दिव्यांग मतदाता भी तमाम मुश्किलों को पीछे छोड़ मतदान केंद्र तक पहुंचे। व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंची 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला मतदाता लोकतांत्रिक जज्बे की मिसाल बनीं। मतदान के बाद स्याही लगी उंगली दिखाते हुए उनके चेहरे पर नजर आई मुस्कान ने हर किसी को मतदान के महत्व का संदेश दिया। मतदान के बाद स्याही लगी उंगली दिखाते मतदाताओं के चेहरे पर संतोष नजर आया। किसी ने उम्र की परवाह नहीं की तो किसी ने शारीरिक परेशानी को आड़े नहीं आने दिया। मतदान केंद्रों से सामने आई इन तस्वीरों ने लोकतंत्र में हर वोट की ताकत का संदेश दिया। मतदान केंद्रों की ओर जाते बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने लोकतंत्र के प्रति जागरूकता की तस्वीर पेश की। 'पहले मतदान, फिर जलपान' के संदेश के साथ मतदाताओं ने मतदान को प्राथमिकता दी। बुजुर्ग मतदाताओं का उत्साह खास तौर पर प्रेरणादायी रहा। मतदान के बाद स्याही लगी उंगली दिखाते बुजुर्गों ने युवाओं को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। लोकतंत्र को मजबूत करने में प्रत्येक मत की अहमियत बताते हुए मतदाताओं ने मतदान को जिम्मेदारी के साथ निभाया। नगर निगम चुनाव को लेकर मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद शहर के 265 मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। शाम 6 बजे मतदान समाप्त होते ही ईवीएम मशीनों को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया। इसके बाद 14 सितंबर को मतगणना होगी और प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला सामने आएगा।

उम्र नहीं बनी बाधा, व्हीलचेयर पर पहुंचीं मतदान केंद्र

उम्र और स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयां भी लोकतंत्र के प्रति आस्था को नहीं डिगा सकीं। मतदान केंद्र पर पहुंची बुजुर्ग महिला ने स्वास्थ्य और उम्र की चुनौतियों के बावजूद अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उन्होंने स्याही लगी उंगली दिखाकर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। उनकी तस्वीर और जज्बा वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। बुजुर्ग मतदाता ने मानो यह संदेश दिया कि मतदान का अधिकार उम्र या शारीरिक कठिनाई से बड़ा है।

संत-महात्माओं ने भी निभाई जिम्मेदारी

नगर निगम चुनाव के तहत हरिशेवा धर्मशाला स्थित मतदान केंद्र पर बुधवार सुबह उस समय अनूठा नजारा देखने को मिला, जब हरिशेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के सानिध्य में संतों ने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के साथ संत मयाराम, संत राजाराम, मेघराज, मिहिर और रोमा ने मतदान किया। मतदान के बाद संतों ने आमजन से भी लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। संतों ने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का सबसे बड़ा संवैधानिक अधिकार होने के साथ लोकतंत्र के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। राष्ट्र और शहर के विकास के लिए प्रत्येक मतदाता को बिना किसी दबाव के अपने विवेक से मतदान करना चाहिए। अपने मत का सही इस्तेमाल ही मजबूत लोकतंत्र की नींव है।

पहली बार बीगोद नगर पालिका का चुनाव, उमड़ा जबर्दस्त जोश

91.49 फीसदी मतदान ने रचा रिकॉर्ड जैसा नजारा, 12,511 मतदाताओं ने डाला वोट

पहली बार नगर पालिका बनने के बाद बीगोद में हुए चुनाव को लेकर मतदाताओं में जबर्दस्त उत्साह नजर आया। नए नगर निकाय के पहले चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। शाम 6 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बीगोद में 12,511 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया और मतदान प्रतिशत 91.49 फीसदी पहुंच गया। मतदान का यह आंकड़ा बीगोद के लोगों के उत्साह और लोकतांत्रिक भागीदारी की तस्वीर पेश करता है। बीगोद के लिए यह चुनाव इसलिए भी खास रहा कि नगर पालिका बनने के बाद यह पहला चुनाव था। नई नगर पालिका के गठन के बाद पहली बार अपने स्थानीय प्रतिनिधि चुनने को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही और शाम तक लोगों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

मिनी बस की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध की मौत

बालापुरा-अमरतिया रोड पर बाइक और मिनी बस की आमने-सामने भिड़ंत, 62 वर्षीय वृद्ध की गई जान

स्मार्ट हलचल

खामोर। बालापुरा-अमरतिया रोड पर बुधवार को मिनी सवारी बस और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में बाइक सवार 62 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब खामोर से आगूचा की ओर जा रहे बाइक सवार की सामने से आ रही मिनी बस से टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।पुलिस के अनुसार नई राज्यास ग्राम पंचायत के रेबारी खेड़ा निवासी छोटू पुत्र श्रवण भील उम्र (62) वर्ष बाइक से खामोर से आगूचा की ओर जा रहा था। इसी दौरान बालापुरा-अमरतिया रोड पर गुलाबपुरा की तरफ से सामने से आ रही मिनी सवारी बस से बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में छोटू भील की मौत हो गई।बताया गया कि संबंधित मिनी बस रोजाना खामोर से गुलाबपुरा और गुलाबपुरा से खामोर के बीच सवारियां लेकर आवागमन करती है। हादसे के समय भी बस गुलाबपुरा से खामोर ओर आ रही थी। हेड कांस्टेबल सुभाष चौधरी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आगूचा चौकी से कांस्टेबल परमवीर सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। 108 एंबुलेंस की मदद से मृतक के शव को गुलाबपुरा अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी।पुलिस ने हादसे में शामिल बाइक और मिनी बस को डिटेन कर लिया।पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

बोरानी गांव के पास जहाजपुर-देवली मार्ग पर पलटा ट्रेलर, बड़ा हादसा टला

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटा ट्रेलर, चालक सुरक्षित; कोई जनहानि नहीं

जहाजपुर अलकेश पारीक जहाजपुर। जहाजपुर-देवली मार्ग पर बोरानी गांव के पास एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रेलर में लोहे के सरिए लदे हुए थे। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई तथा ट्रेलर चालक भी सुरक्षित है। ट्रेलर के पलटने से लोहे के सरिए सड़क किनारे बिखर गए। हादसे के बावजूद यातायात प्रभावित नहीं हुआ और मार्ग पर आवागमन सुचारु रूप से जारी रहा। हादसा किस कारण से हुआ, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

मांडलगढ़ निकाय चुनाव

पूर्व मंत्री रामलाल जाट का भाजपा सरकार पर तीखा हमला, बोले–'मांडलगढ़ में बनेगी कांग्रेस की महिला सरकार'

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़ मांडलगढ़ नगर पालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित रोड शो के दौरान पूर्व मंत्री रामलाल जाट ने मीडिया से मुखातिब होते हुए राज्य की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। जाट ने आरोप लगाया कि भाजपा जनता की समस्याओं से आंखें मूंदकर बैठी है और चुनाव से बच रही थी, जिसे न्यायालय के दखल के बाद कराया जा रहा है। उन्होंने मांडलगढ़ की जनता से विकास और जनहित के लिए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

प्रेस वार्ता के मुख्य बिंदु:

न्यायालय के आदेश पर चुनाव: पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार स्वायत्त शासन और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराने की मंशा नहीं रखती थी। न्यायालय के आदेश के बाद ही ये चुनाव संभव हो सके हैं। साथ ही आरोप लगाया कि वार्डों का परिसीमन जनता की सुविधा के लिए नहीं, बल्कि सीटों पर जबरन कब्जे की नीयत से किया गया।

महंगाई और बंद होती योजनाएं: जाट ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में महंगाई में भारी इजाफा हुआ है। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार की जनहितकारी योजनाओं को बंद या कमजोर किया जा रहा है। महंगाई राहत किट बंद कर दिए गए, 100 यूनिट मुफ्त बिजली योजना पर सरचार्ज थोप दिया गया और 6 से 8 महीने तक बुजुर्गों व पात्रों की पेंशन अटकी हुई है।

चिरंजीवी योजना में जटिलता: उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार की स्वास्थ्य योजना 'चिरंजीवी' में जटिल नियम लागू कर सरकारी अस्पतालों की ओपीडी घटा दी गई है, जिससे गरीब जनता निजी अस्पतालों में लुटने को मजबूर है।

50' से अधिक महिलाओं को टिकट: रामलाल जाट ने रेखांकित किया कि इस चुनाव में बड़े चेहरों के बजाय जमीन पर पसीना बहाने वाले कार्यकर्ताओं को तरजीह दी गई है। 50 प्रतिशत से अधिक टिकट महिलाओं को देकर मांडलगढ़ में 'महिला सरकार' स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

मांडलगढ़ के विकास का संकल्प

पूर्व मंत्री ने स्थानीय मुद्दों पर बात करते हुए वादा किया कि मांडलगढ़ में कांग्रेस का बोर्ड बनने पर:

आमजन को आवासीय पट्टे बहुत ही मामूली/नाममात्र के शुल्क पर जारी किए जाएंगे।

कस्बे में नाली निर्माण, नियमित कचरा निस्तारण और सफाई व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जाएगा।

नीति आयोग व केंद्रीय विकास मदों के तहत प्रति व्यक्ति मिलने वाले विकास फंड का शत-प्रतिशत सदुपयोग कस्बे के बुनियादी ढांचे को सुधारने में होगा।

इस अवसर पर प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा, पूर्व चेयरमैन ज़फ़र भाई, रफीक भाई, संयोजक कुलदीप सिंह सहित चुनाव समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। जाट ने मतदाताओं से हाथ के निशान पर वोट देकर कांग्रेस प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया।

स्याही लगी उंगली, साइकिल पर सवार मतदाता, क्लब सदस्यों ने दिया दोहरा संदेश

बूथ तक साइकिल दौड़ाकर लोकतंत्र को दी रफ्तार, साइकिल क्लब सदस्यों ने मतदान कर पेश की मिसाल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । मतदान केंद्रों की ओर बुधवार को जब अधिकांश लोग दुपहिया और चौपहिया वाहनों से निकले, तब शहर में साइकिलों का एक अलग ही काफिला नजर आया। यह काफिला था भीलवाड़ा साइकिल क्लब के सदस्यों का, जिन्होंने मतदान को केवल मताधिकार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि साइकिल के जरिए इसे पर्यावरण और स्वस्थ जीवन से भी जोड़ दिया। क्लब के सदस्य साइकिल से अपने-अपने बूथ पहुंचे, मतदान किया और स्याही लगी उंगली के साथ साइकिल की सेल्फी लेकर दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। मतदान का संदेश देने के लिए साइकिल पर निकले भीलवाड़ा साइकिल क्लब के सदस्यों ने अभियान को मतदान के दिन जमीन पर उतारकर अनूठी मिसाल पेश की। इससे पुर्व मंगलवार को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के बाद बुधवार को क्लब के अधिकांश सदस्य अपने-अपने मतदान केंद्रों पर साइकिल से पहुंचे और मतदान किया। मतदान के साथ उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवन और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश भी दिया। साइकिल क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल ने बताया कि सदस्यों ने मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए दुपहिया व चौपहिया वाहनों के बजाय साइकिल का इस्तेमाल किया। मतदान के बाद सदस्यों ने उंगली पर लगी स्याही के निशान के साथ साइकिल लेकर सेल्फी ली और उन्हें अपने ग्रुपों व सोशल मीडिया स्टेटस पर साझा कर अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। आमतौर पर मतदान केंद्रों तक पहुंचने के लिए लोग दुपहिया और चौपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन साइकिल क्लब सदस्यों का साइकिल से मतदान केंद्र पहुंचना लोगों के लिए आकर्षण के साथ प्रेरणा का विषय बना। क्लब का उद्देश्य केवल साइकिलिंग को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि इसके जरिए फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण, यातायात जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाना है। क्लब सदस्यों ने संदेश दिया कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हर नागरिक मतदान करे और इसके साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए। मतदान करें, साइकिल चलाएं और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं, यही अभियान का संदेश रहा। कार्यक्रम में तिलोकचंद छाबड़ा, बाबूलाल जाजू, अरुण संतोष मुछाल, मदन खटोड़, राजकुमार अजमेरा, राकेश सक्सेना, डॉ. देवेंद्र पुरी गोस्वामी, डॉ. हेमेन्द्र कौशिक, सत्यनारायण राठी, भेरूलाल सुवालका, रतनलाल छीपा, मुकेश कुमावत, जिनेंद्र चौधरी, मनोज कुमार तुलसानी, मुकेश सामरिया, विक्रम दाधीच, विजय कपूर, निर्मल व्यास, अतुल शाह, कालूलाल सोनी सहित अनेक सदस्यों ने साइकिल से मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया।

रोड जाम कर कॉलोनी के लोगो की बाड़बंदी की

पुलिस जाप्ते ने पहुंच रोड खुलवाया, कॉलोनी वासियो ने पुलिस का आभार जताया

स्मार्ट हलचल

ओम जैन । शंभूपुरा।

चित्तौड़गढ़ शहर के उपनगरीय क्षेत्र सेन्थी के अरिहंत नगर अरिहंत विहार में सोमवार शाम को कुछ सरकारी कर्मचारियों द्वारा सरकारी नियम कानून को ताक में रखते हुए तानाशाही का मामला सामने आया। जानकारी के अनुसार वार्ड 25 अरिहंत विहार में दो सड़को के बीच छुटी हुई गार्डन की जमीन विवाद का कारण बन गई, जहा पीछे अरिहंत विहार में रहने वाले लोगो की मांग है कि हमें जाने आने के लिए उचित रोड दिया जाए लेकिन अरिहंत नगर में आगे रहने वाले कुछ लोग उस रोड को भी निजी बताते हुए आये दिन पीछे जाने वाले वाहनों को रोकते रहते है और इधर से निकलने वालो के साथ अभद्रता करते रहते है। सोमवार को मिट्टी का डंपर जा रहा था तो उसे रेलवे कर्मी सुरेश टांक, यूनियन बैंककर्मी राधेश्याम गुर्जर, शिवलाल चौबीसा नगरपालिका कर्मचारी ओर जितेंद्र आडवाणी निजी फाइनेंस कर्मचारी ने उस मिट्टी के डंपर को जबरन रोड पर ही खाली करवाकर अवैध रूप से रोड को जाम करवा दिया एवं अपने स्तर पर ही तथाकथित गार्डन की नपती करते हुए मार्किंग की ओर पीछे जाने वालों का रास्ता बंद कर दिया, ऐसी स्थिति में पीछे रहने वाले कही रहवासियों ओर खेत पर जाने वाले किसानों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। इस घटना के बाद अरिहंत विहार कॉलोनी के बड़ी संख्या में रहवासी सदर थाना पहुंचे और रेलवे कर्मी सुरेश टांक, यूनियन बैंककर्मी राधेश्याम गुर्जर, शिवलाल चौबीसा नगरपालिका कर्मचारी ओर जितेंद्र आडवाणी निजी फाइनेंस कर्मचारी के खिलाफ रिपार्ट दर्ज करवाते हुए रास्ता खुलवाने ओर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की मामले की गम्भीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एव सदर थानाधिकारी प्रेम सिह के नेतृत्व में एएसआई हीरा लाल मय जाप्ता मौके पर पहुंचे ओर जेसीबी की मदद से मौके पर अवरुद्ध किये रास्ते को तुरन्त खुलवाया एवं अवैध रूप से रास्ता जाम करने वालो को पाबंद करते हुए भविष्य में ऐसा नही करने की हिदायत दी। इस गम्भीर समस्या पर त्वरित कार्यवाही कर राहत प्रदान करने पर अरिहंत विहार वासियो ने जिला पुलिस अधीक्षक, सदर थानाधिकारी, एएसआई हीरालाल एवं पुलिस टीम का आभार जताया।

देवनारायण मंदिर में चोरी की वारदात का 24 घंटे में खुलासा

रायला पुलिस ने शातिर चोर को किया गिरफ्तार, शत-प्रतिशत माल व बाइक बरामद....

लाम्बिया कलां के चेची खेड़ा में मंदिर से चुराए थे पीतल का त्रिशूल, नाग, घंटे व केबल तार; रायपुर निवासी आरोपी किशन रंगास्वामी सलाखों के पीछे

स्मार्ट हलचल

रायला/भीलवाड़ा । भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों एवं धार्मिक स्थलों पर चोरी की घटनाओं की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रायला थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देवनारायण मंदिर में हुई चोरी की वारदात का महज 24 घंटे में पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर मंदिर से चुराया गया शत-प्रतिशत माल बरामद कर लिया है तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

मंदिर से पंखा, पीतल के घंटे, त्रिशूल और केबल तार हुए थे चोरी

पुलिस के अनुसार 7 सितंबर 2026 को प्रार्थी बालू राम (60) पुत्र धूकल गुर्जर (निवासी चेची खेड़ा, लाम्बिया कलां) ने रायला थाने में रिपोर्ट दी कि वे गांव स्थित भगवान देवनारायण मंदिर में पुजारी हैं और रात्रि में मंदिर में ही सोते हैं। 6 सितंबर की सुबह करीब 7:00 बजे वे मंदिर से किसी कार्यवश बाहर गए थे। रात्रि करीब 10:30 बजे जब वे वापस मंदिर लौटे, तो मंदिर से 1 छत पंखा, 1 पीतल का त्रिशूल, 1 पीतल का नाग, 4 पीतल के घंटे और कुएं की मोटर की करीब 100 मीटर केबल तार चोरी मिली। पुजारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण संख्या 118/2026 धारा 331(3), 305(डी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

सीसीटीवी फुटेज व आसूचना से 24 घंटे में दबोचा आरोपी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा अंजुम कायल के निर्देशन एवं वृताधिकारी गुलाबपुरा सतीश मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी घनश्याम मीणा (पु.नि.) के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की मदद से 24 घंटे के भीतर घटना का पर्दाफाश करते हुए आरोपी किशन रंगास्वामी (27) पुत्र बालू दास रंगास्वामी (निवासी खुटिया, पुलिस थाना रायपुर, जिला भीलवाड़ा) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया पूरा माल और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद कर ली है।

बरामद माल मशरूका:

01 छत पंखा

01 पीतल का त्रिशूल

01 पीतल का नाग प्रतिमा

04 पीतल के घंटे

कुएं की मोटर की करीब 100 मीटर तार

घटना में प्रयुक्त 01 मोटरसाइकिल (जब्त)

सराहनीय भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम

मंदिर चोरी का त्वरित खुलासा करने वाली टीम में रायला थानाधिकारी घनश्याम मीणा (पु.नि.), हैड कांस्टेबल शीशराम (1552), कांस्टेबल बनवारी लाल (1798) तथा विशेष भूमिका निभाने वाले कांस्टेबल विक्रम चाहर (2171), कांस्टेबल शैतान सिंह (1545) एवं कांस्टेबल श्याम सुंदर (2048) शामिल रहे।

भगवान श्रीचारभुजानाथ के छप्पनभोग के लिए हुआ भट्टी मुहूर्त

19 सितंबर को 1151 किलो शक्कर से तैयार होगा भव्य छप्पन भोग, जलझुलनी महोत्सव में श्रद्धालुओं को मिलेगा प्रसाद

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी मेवाड़ की प्रसिद्ध धर्मनगरी कोटड़ी में भगवान श्रीचारभुजानाथ के प्रति श्रद्धालुओं क ी आस्था का एक और भव्य आयोजन होने जा रहा है। 19 सितंबर को जलझुलनी महोत्सव के

अवसर पर भगवान श्रीचारभुजानाथ को 1151 किलो शक्कर से तैयार किया जाने वाला विशाल छप्पनभोग अर्पित किया जाएगा। इसी आयोजन की तैयारियों के तहत बुधवार को मंदिर परिसर में भट्टी मुहूर्त एवं विधि-विधान से पूजन किया गया। संत-महंतों, मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारियों एवं विभिन्न समाज के प्रबुद्धजन व श्रद्धालुओं की मौजूदगी में मंत्रोच्चार के साथ भट्टी पूजन कर छप्पनभोग निर्माण की शुरुआत की गई। आयोजकों ने बताया कि कोटड़ी में लगातार चौथी बार 1151 किलो शक्कर से छप्पनभोग तैयार किया जा रहा है। इससे पूर्व भी भगवान श्रीचारभुजानाथ को 551 किलो और 851 किलो शक्कर से छप्पनभोग अर्पित किया जा चुका है। इस बार आयोजन को और भव्य रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। छप्पनभोग भगवान को अर्पित करने के बाद इसे प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं को पेकेट में पेक कर वितरित किया जाएगा।

भक्तों के सहयोग से तैयार होगा छप्पनभोग

छप्पनभोग आयोजन की खास बात यह है कि इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार सहयोग करते हैं। आयोजन से जुड़े लोगों ने बताया कि भक्तों के सहयोग से 1151 किलो शक्कर का छप्पनभोग तैयार किया जाएगा। भट्टी मुहूर्त के साथ ही आयोजन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने का काम शुरू कर दिया गया है। छप्पनभोग निर्माण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। भद्?टी मुहुर्त के दौरान सरसड़ी व माण्डल के महंत दीपकपुरी महाराज ने कहा कि भगवान के चरणों में अर्पित होने वाला छप्पनभोग केवल प्रसाद नहीं बल्कि भक्तों की आस्था, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक है। धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का भी माध्यम बनते हैं।

जलझुलनी महोत्सव को लेकर उत्साह

भगवान श्रीचारभुजानाथ मंदिर में 22 सितंबर को जलझुलनी महोत्सव को लेकर भी तैयारियां चल रही हैं। छप्पनभोग आयोजन को महोत्सव का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है। इसके लिए मंदिर परिसर में सम्पूर्ण परिसर व्यंजनों के थालों से सजाया जाएगा। इस दौरान भक्तों के दर्शन को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजन में कोटड़ी सहित आसपास के गांवों और दूर-दराज क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में आयोजन में शामिल होकर भगवान श्रीचारभुजानाथ के दर्शन करने का आह्वान किया है। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी सहयोग कर रहे हैं। आयेजन में सबसे अध्क सहयोग शिक्षकों का मिलने पर आयोजकों ने शिक्षक समूदाय का आभार जताया। साथ ही बेंकॉक, अहमदाबाद, अमेरिका, केरल सहित अनेक राज्यों से भगवान के प्रति आस्था जताते हुए राशि भेज कर छप्पनभोग के आयोजन को सफल बनाने की कामना की है। भट्टी मुहूर्त के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीचारभुजानाथ के जयकारे लगाए और 19 सितंबर के भव्य छप्पनभोग आयोजन की सफलता की कामना की। पण्डित विष्णु शर्मा के मन्त्रोच्चारण के साथ भद्?टी मुहुर्त के दौरान मुरलीधर काबरा, चारभुजानाथ के मुख्य पुजारी सत्यनारायण पाराशर, गोविन्द सिंह, निर्मल लोढ़ा, गोपाल गाडरी, छीतर माली, रामलाल जाट, मोहित शर्मा, प्रकाश जोशी, लाल चन्द टेलर, सुनील कुमार लोढ़ा, भगत गुजराती, श्याम पारीक, कैलाश तेली, सम्पत गुजराती, शान्ति लाल पोखरना, सूर्यप्रकाश टेलर, अरविन्द गुजराती सहित अनेक समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रायपुर में पैंथर की दहशत से किसान भयभीत, वन विभाग आज दो जगह लगाएगा पिंजरे

स्मार्ट हलचल

रायपुर / रायपुर क्षेत्र में पैंथर की लगातार मौजूदगी की सूचना से ग्रामीणों और किसानों में दहशत कामाहौल बना हुआ है। खेतों में काम करने जाने वाले किसान अब अकेले जाने से भी कतरा रहे हैं। पैंथर की गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग भी सतर्क हो गया है। पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम द्वारा आज दो अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए जाएंगे। वन विभाग के फोरेस्टर तेजपाल सिंह चुण्डावत की टीम क्षेत्र में पैंथर की गतिविधियों पर नजर रख रही है। किसानों का कहना है कि खेतों के आसपास पैंथर की आवाजाही से उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द पैंथर को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जाने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में भय का माहौल समाप्त हो सके। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों से सावधानी बरतने तथा रात के समय अकेले खेतों की ओर नहीं जाने की अपील की गई है।

अखिल राजस्थान प्रबोधन संघ की सवाईपुर में बैठक आयोजित

बनकाखेड़ा में होगा दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर / अखिल राजस्थान प्रबोधन संघ जिला भीलवाड़ा का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 18 व 19 सितंबर 2026 को कोटडी ब्लॉक के तत्वाधान में सवाईपुर क्षेत्र के बनकाखेड़ा गांव में स्थित मोचड़िया के मण्ड देवनारायण मंदिर में होगा । जिसको लेकर आवश्यक बैठक रूपरेखा तैयारी एवं शैक्षिक सम्मेलन को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने हेतु बुधवार को सवाईपुर में बैठक रखी गई । जिसमें जिलाध्यक्ष किशनसिह राठोड, देवराजसिंह, हरिशंकर जाट, विमल आचार्य, भगवत सिंह, शंभूलाल बलाई, शंकर ओड़, नंद सिंह, नारायण गाडरी, गोपाल गाडरी, जयप्रकाश गर्ग, शंकर सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि प्रबोधकगण उपस्थित रहकर सम्मेलन हेतु विचार विमर्श राय रखी और कार्यकम की सफलता के लिए सभी साथियों को एकजुट होकर मुश्तैदी से कमर कसने का आव्हान किया । सभी साथियों ने अपने अपने विचार भी रखे । शैक्षिक सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के शैक्षिक उन्नयन को गुणवत्तापूर्ण बढ़ावा मिले पर तैयारी के साथ आने को कहा । सम्मेलन हेतु आगामी बैठक 13 सितंबर को प्रातः 11 बजे बनकाखेड़ा में मोचडिया का मंड देवनारायण मंदिर में होगी ।।

करनाऊवा में केपीएल-3 क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन

सफारी क्लब ने जीता खिताब''शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का हुआ सम्मान, ग्रामीण प्रतिभाओं को मिला मंच

स्मार्ट हलचल

करनाऊवा, ग्राम पंचायत करनाऊवा के प्रशासक हेमंत मीणा के नेतृत्व में आयोजित केपीएल-3 क्रिकेट प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों के बाद सफारी क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केपीएल-3 का खिताब अपने नाम किया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में ग्राम पंचायत करनाऊवा के सरपंच हेमंत मीणा ने विजेता सफारी क्लब को विजेता ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक शंकरलाल लिम्बात भी उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की तथा भविष्य में खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

'उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान'

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। भेरू लिम्बात को बेस्ट प्लेयर ऑफ द सीजन, अजय डामोर को बेस्ट बॉलर, भूपेश लिम्बात, करनाऊवा को बेस्ट बल्लेबाज तथा राजू डामोर एवं हीरोत फला को बेस्ट फील्डर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विजेता टीम सफारी क्लब के ऑनर अनिल लिम्बात बंटी के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टीम के कप्तान भेरू लिम्बात ने शानदार नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए टीम को विजेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका टीम के प्रति समर्पण, अनुशासन और जीत के लिए किया गया अथक प्रयास देखने को मिला।

'मार्गदर्शन और समर्पण ने दिलाई जीत'

सफारी क्लब की जीत में राकेश डामोर हीरोत फला की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने अपने अनुभव के माध्यम से खिलाड़ियों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया और टीम का मनोबल बढ़ाया। वहीं अनिल डामोर ने भी खिलाड़ियों को लगातार मार्गदर्शन देते हुए उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

युवा खिलाड़ी अंकुर ने भी खेल भावना और समर्पण की मिसाल पेश की। चोटिल होने तथा अपनी टीम के प्रतियोगिता से बाहर होने के बावजूद उन्होंने सफारी क्लब को अपना पूरा सहयोग दिया और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रतियोगिता के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक शंकरलाल लिम्बात लगातार तीन दिनों तक खिलाड़ियों के बीच उपस्थित रहकर उनका उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन करते रहे। वहीं विनोद कुमार लिम्बात ने भी उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। केपीएल-3 क्रिकेट प्रतियोगिता ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करने के साथ ही युवाओं में खेल भावना, टीमवर्क एवं अनुशासन की भावना विकसित करने में सफल रही। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर खिलाड़ियों, आयोजकों, जनप्रतिनिधियों एवं खेल प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। केपीएल-3 की विजेता सफारी क्लब की पूरी टीम को शानदार जीत के लिए बधाई एवं आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान पुष्पक मीणा, अनिल लिम्बात वार्डपंच, अनिल डामोर, लालूराम सहित ग्राम पंचायत करनाऊवा के ग्रामीण एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

ढ़ेलाणा में देशी अलगोजा पर निकाली तेजाजी महाराज की झंडी

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर :- सवाईपुर क्षेत्र के ढ़ेलाणा गांव में मंगलवार रात्रि को देशी अलगोजा की धुन पर तेजाजी महाराज की झंडी और ज्योत निकाली गई । ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार रात्रि को ढ़ेलाणा गांव में तेजाजी महाराज की झंडी निकाली गई, राजस्थान के लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के जीवन और यशोगाथा देशी अलगोजा जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर वीर तेजाजी के लोकगीत एवं जीवनी का बखान किया गया । जिसमें बलिया खेड़ा, जित्यास व गधेरी के कलाकारों के द्वारा तेजा गायन का बखान किया गया । अलगोजा की धुन पर तेजा गायन में वातावरण भक्तिमय हो गया । भाव-विभोर होकर ग्रामीण नाचने को मजबूर हो गए । तेजाजी महाराज की झंडी गांव के विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः तेजाजी मंदिर पर पहुंची । इस दौरान देवा जाट, सुखा जाट, लालाराम जाट, देवबक्ष जाट, रामलाल जाट, अम्बालाल जाट, बद्रीलाल जाट, प्रभु जाट, हीरालाल जाट, कन्हैयालाल जाट, गोपाल जाट, भंवर जाट, नारायण जाट, सुखदेव जाट, सांवर वैष्णव, शांतिलाल वैष्णव, श्यामलाल जाट, रोशन जाट, मनीष जाट, लोकेश जाट, राधेश्याम जाट, सोनू जाट, राहुल, लक्ष्मण, अभिषेक, सोनू आदि कई मौजूद रहे ।।

भाजपा प्रत्याशी ने निवर्तमान चेयरमैन देवीलाल साहू के खिलाफ की शिकायत

भाजपा प्रत्याशी प्रकाशचंद्र तेली का आरोप–निर्दलीय प्रत्याशी उतारकर भाजपा को हराने का किया जा रहा प्रयास...

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित जिला अध्यक्ष को शिकायत पत्र

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण में होने वाले मतदान से पहले आसींद नगर पालिका में भाजपा के अंदरूनी राजनीतिक समीकरणों को लेकर विवाद सामने आया है। नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 से भाजपा प्रत्याशी प्रकाशचंद्र तेली ने निवर्तमान नगर पालिका चेयरमैन एवं वार्ड नंबर 15 से भाजपा प्रत्याशी देवीलाल साहू के खिलाफ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा को लिखित शिकायत भेजी है। प्रकाशचंद्र तेली ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि देवीलाल साहू भाजपा प्रत्याशियों को चुनाव में नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से निर्दलीय प्रत्याशियों को मैदान में उतारकर पार्टी संगठन को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायत में उन्होंने दावा किया कि वार्ड नंबर 12 में सांवरमल कुमावत को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतारा गया है और देवीलाल साहू उनके पक्ष में प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मामले की जांच करवाकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। सूत्रों की जानकारी के अनुसार आसींद कस्बे के अन्य वार्ड संख्या 23 से प्रकाश कुमावत,वार्ड 16 से संजय सेन, गोविंदपुरा क्षेत्र से दो अन्य निर्दलीय शाहिद अन्य वार्डो से भी निर्दलीय प्रत्याशी उतारने की अटकल लगाई जा रही है

पिछले चुनाव में कांग्रेस से जीतकर बीजेपी से बने थे चेयरमैन

गौरतलब है कि पिछले नगर पालिका चुनाव में देवीलाल साहू कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर नगर पालिका अध्यक्ष बने थे। बाद में उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया और नगर पालिका चेयरमैन बने। अब आगामी चुनाव से पहले उनके खिलाफ भाजपा प्रत्याशी द्वारा की गई शिकायत ने आसींद की स्थानीय राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है।

गुरला वन भूमि पर कथित अतिक्रमण मामले में NGT में जनहित याचिका पेश करने की तैयारी

कथित पर्यावरणीय क्षति के लिए Polluter Pays Principle' लागू करने की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा/गुरला। ग्राम पंचायत गुरला क्षेत्र में वन भूमि पर कथित अतिक्रमण एवं वन भूमि पर पट्टा जारी किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के समक्ष जनहित याचिका पेश करने की तैयारी की जा रही है। प्रकरण से संबंधित उपलब्ध सरकारी पत्र में क्षेत्रीय वन अधिकारी, भीलवाड़ा द्वारा ग्राम पंचायत गुरला से आराजी संख्या 2246 में जारी पट्टे के संबंध में रिकॉर्ड उपलब्ध कराने को कहा गया है। पत्र में विभागीय मौका निरीक्षण एवं रिकॉर्ड की जांच के बाद संबंधित खसरे को वन विभाग के नाम दर्ज एवं वनभूमि बताया गया है तथा ग्राम पंचायत से यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि वनभूमि पर किस आधार एवं किस नियम के तहत पट्टा जारी किया गया। इस मामले में कुलदीप शर्मा के विरुद्ध कथित अतिक्रमण/निर्माण एवं उससे होने वाली संभावित पर्यावरणीय क्षति की स्वतंत्र जांच की मांग NGT के समक्ष प्रस्तावित की जाएगी। यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि वन भूमि पर अवैध कब्जे, निर्माण अथवा अन्य गतिविधियों से पर्यावरण एवं वन क्षेत्र को क्षति पहुंची है, तो याचिका में (प्रदूषक भुगतान सिद्धांत) लागू करते हुए पर्यावरणीय क्षति की भरपाई, पर्यावरणीय प्रतिकर तथा भूमि को पूर्व पर्यावरणीय स्थिति में बहाल करने का खर्च जिम्मेदार व्यक्ति से वसूल करने की मांग की जाएगी। हलज्ञ के समक्ष प्रस्तावित प्रमुख मांगें आराजी संख्या 2246 एवं संबंधित भूमि का राजस्व एवं वन अभिलेखों के आधार पर संयुक्त सीमांकन कराया जाए। वन भूमि पर कथित अतिक्रमण एवं निर्माण की स्वतंत्र जांच कराई जाए। वन भूमि पर जारी पट्टे की वैधानिकता की जांच की जाए।संबंधित अधिकारियों एवं अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जाए। यदि अतिक्रमण/निर्माण अवैध पाया जाए तो उसे हटाकर वन भूमि को पूर्व स्थिति में बहाल कराया जाए। पर्यावरण को हुई क्षति का वैज्ञानिक आकलन कराया जाए। जांच में कुलदीप शर्मा अथवा किसी अन्य व्यक्ति की पर्यावरणीय क्षति के लिए जिम्मेदारी स्थापित होने पर Polluter Pays Principle के तहत पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति एवं पुनर्स्थापना लागत वसूलने का आदेश दिया जाए। भविष्य में वन भूमि पर इस प्रकार के अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक संरक्षणात्मक आदेश जारी किए जाएं। यह मामला केवल भूमि विवाद का विषय नहीं बल्कि वन भूमि, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। इसलिए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई तथा पर्यावरणीय क्षति की पूर्ण भरपाई की मांग NGT के समक्ष की जाएगी।

प्रचार थमा, अब मतपेटी बताएगी जहाजपुर में किसका चलेगा सिक्का

सत्ता के मजबूत समीकरण के बावजूद भाजपा के सामने स्थानीय चुनौती, कांग्रेस की सीमित सक्रियता चर्चा में; 43 निर्दलीयों ने मुकाबले को बनाया दिलचस्प

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर जहाजपुर नगर पालिका चुनाव का प्रचार अभियान बुधवार शाम 5 बजे थम गया। अब प्रत्याशियों के पास बड़े-बड़े चुनावी मंचों और प्रचार वाहनों का शोर नहीं, बल्कि मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क का दौर है। 11 सितंबर को होने वाले मतदान से पहले जहाजपुर की सियासी तस्वीर पर नजर डालें तो मुकाबला किसी एक पार्टी के पक्ष में पूरी तरह झुका हुआ दिखाई नहीं दे रहा। भाजपा के पास केंद्र और राजस्थान की सत्ता के साथ जहाजपुर के भाजपा विधायक का मजबूत राजनीतिक आधार है। इसके बावजूद स्थानीय चुनाव में भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती स्थानीय समीकरण और बड़ी संख्या में मैदान में उतरे निर्दलीय प्रत्याशी हैं।

43 निर्दलीयों ने बढ़ाई दोनों दलों की चिंता

इस बार नगर पालिका चुनाव में 43 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें करीब 20 प्रत्याशी अलमारी चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष नरेश मीणा और कांता मीणा का नाम भी अलमारी चुनाव चिह्न से जुड़ी चुनावी चर्चा में प्रमुखता से सामने आया है। निर्दलीयों की इतनी बड़ी संख्या ने भाजपा और कांग्रेस दोनों के सामने वोटों के बंटवारे का नया समीकरण खड़ा कर दिया है। कई वार्डों में मुकाबला पार्टी के नाम से ज्यादा प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़, संपर्क और स्थानीय छवि पर निर्भर करता दिखाई दे रहा है।

भाजपा के पास सत्ता, लेकिन चुनाव में स्थानीय मुद्दे हावी

भाजपा के लिए परिस्थितियां कागज पर मजबूत हैं। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार है और स्थानीय विधायक भी भाजपा से हैं। इसके बावजूद नगरपालिका चुनाव में मतदाता केवल सत्ता के समीकरणों के आधार पर फैसला करेंगे, यह कहना मुश्किल है। नगरपालिका चुनावों में स्थानीय मुद्दे, वार्ड की समस्याएं, व्यक्तिगत रिश्ते और प्रत्याशी की पहुंच अक्सर बड़े राजनीतिक समीकरणों पर भारी पड़ जाते हैं। जहाजपुर में भी यही तस्वीर चुनाव प्रचार के दौरान देखने को मिली।

कांग्रेस की सक्रियता रही चर्चा का विषय

कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव चुनौतीपूर्ण नजर आया। कांग्रेस नेता धीरज गुर्जर की जहाजपुर में करीब दो दिन की चुनावी सक्रियता राजनीतिक चर्चाओं का विषय रही। इसके बाद भी कांग्रेस पूरे चुनाव अभियान में भाजपा के मुकाबले कितना प्रभावी माहौल बना पाई, इसका फैसला अब मतदाता करेंगे। कांग्रेस के सामने जहां भाजपा की सत्ता और संगठन की चुनौती है, वहीं निर्दलीयों की मजबूत मौजूदगी ने उसके पारंपरिक वोट बैंक के समीकरण को भी प्रभावित करने की संभावना पैदा की है।

असली खेल अब मतदान के बाद

जहाजपुर नगरपालिका चुनाव की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां केवल भाजपा और कांग्रेस की जीत-हार पर नजर नहीं है। निर्दलीय कितनी सीटें जीतते हैं, यही आने वाले समय में बोर्ड गठन के गणित को प्रभावित कर सकता है। यदि निर्दलीयों का प्रदर्शन मजबूत रहता है तो चुनाव परिणाम के बाद उनकी भूमिका अहम हो सकती है। ऐसे में आज प्रचार थमने के साथ ही असली राजनीतिक गणित शुरू हो गया है। अब न नारों का शोर है, न रैलियों की भीड़। प्रत्याशी मतदाताओं के मन को पढ़ने की कोशिश कर रहे हैं और राजनीतिक दल अपने-अपने बूथों के गणित को मजबूत करने में जुटेंगे। जहाजपुर में सत्ता का समीकरण भाजपा के पक्ष में जरूर है, लेकिन स्थानीय चुनाव की जमीन पर निर्दलीयों की मजबूत मौजूदगी ने मुकाबले को खुला रखा है। अब 11 सितंबर को मतदाता किसे अपना समर्थन देते हैं और किसके पक्ष में नगरपालिका का बोर्ड बनाने का रास्ता साफ होता है–इसका जवाब मतपेटियां ही देंगी

बारिश की विदाई का संदेश... कांस के फूलों से सफेद हुई धरती

पहाड़ों की हरियाली के बीच दूर-दूर तक खिले कांस ने बदला मौसम का मिजाज

मानसून के बूढ़े होने का प्रकृति ने दिया संकेत

डॉ. कमलेश शर्मा,

जयपुर। मानसून अब विदाई की ओर है... आसमान में बादलों की आवाजाही भले जारी हो, लेकिन प्रकृति ने मौसम बदलने का अपना संदेश दे दिया है। जयपुर-कूकस रोड के आसपास इन दिनों दूर तक फैले कांस के सफेद फूल मानो धरती पर बिछी चांदी की चादर नजर आ रहे हैं। पहाड़ियों की हरी पृष्ठभूमि के बीच सफेद कांस का यह विस्तार ऐसा दृश्य रच रहा है, जिसे देखते ही निगाहें ठहर जाती हैं। कांस के फूलों का खिलना भारतीय लोक-परंपरा में लंबे समय से वर्षा ऋतु की विदाई और शरद ऋतु के आगमन से जोड़ा जाता रहा है। इसकी खूबसूरती का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में भी किया है

'विगत शरद रितु आई, देखहूं लक्ष्मण परम सुहाई।
फूले कास सकल मही छाई, जनु बरसा कृत प्रकट बुढ़ाई॥ '

अर्थात शरद ऋतु आ गई है। कांस के फूलों से पूरी धरती ढक गई है। ऐसा लगता है जैसे वर्षा ऋतु अब बूढ़ी हो चुकी है और अपनी विदाई का संकेत दे रही है।

जहां आमतौर पर झुंड छोटे होते हैं, वहां सफेद मैदान

कांस की खासियत यह है कि यह सामान्यतः किसी खेत की तरह व्यवस्थित तरीके से नहीं उगता। खाली पड़ी जमीन, सड़क किनारे की जगह, नदी-नालों के आसपास या नम मिट्टी वाले खुले क्षेत्रों में यह स्वतः उगने वाला घास कुल का पौधा है। सामान्य परिस्थितियों में इसके पौधे छोटे-छोटे समूहों में दिखाई देते हैं। लेकिन कूकस रोड के आसपास का दृश्य कुछ अलग है। यहां कई स्थानों पर कांस इतनी बड़ी संख्या में फैला हुआ है कि पहली नजर में लगता है मानो किसी ने इसकी बाकायदा खेती कर दी हो। कई जगह सफेद फूलों का विस्तार दूर तक नजर आता है और हरी पहाड़ियों के बीच यह पूरा क्षेत्र एक प्राकृतिक लैंडस्केप जैसा दिखाई देता है।

कांस असल में क्या है?

कांस का वैज्ञानिक नाम Saccharum spontaneum है। अंग्रेजी में इसे Wild Sugarcane यानी जंगली गन्ना कहा जाता है। यह Poaceae (घास कुल) का पौधा है और गन्ने की ही वंशावली से संबंधित है।

हालांकि इसे सामान्य गन्ने की तरह मीठे रस या चीनी उत्पादन के लिए नहीं उगाया जाता। यह एक बहुवर्षीय घास है, जो भूमिगत तनों यानी राइजोम के माध्यम से फैल सकती है। अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर यह खाली जमीन पर तेजी से अपना विस्तार कर लेती है। कांस की एक खास विशेषता यह भी है कि यह कई तरह के चरने वाले पशुओं के लिए पसंदीदा चारा नहीं है। इसी कारण जहां दूसरी वनस्पतियां चराई के कारण कम हो जाती हैं, वहां कांस को फैलने का अवसर मिल सकता है।

बीज से ज्यादा जमीन के भीतर फैलता है साम्राज्य

कांस के फूल भले ऊपर दिखाई देते हों, लेकिन इसकी असली ताकत जमीन के नीचे होती है। इसके राइजोम मिट्टी के भीतर फैलते हैं और उनसे नए पौधे निकलते रहते हैं। यही कारण है कि एक बार अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर कांस किसी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर फैल सकता है। मानसून के दौरान पर्याप्त नमी मिलने के बाद इसकी वृद्धि तेज होती है। मौसम के आगे बढ़ने पर पौधे पर सफेद, रेशमी फूलों जैसे पुष्पक्रम (inflorescence) निकलते हैं। हवा चलने पर ये महीन सफेद रेशे लहराते हैं और पूरा क्षेत्र धुंधले-सफेद रंग में बदल जाता है।

कांस का फूल वास्तव में फूल नहीं, पुष्पक्रम है

जिसे हम सामान्य भाषा में कांस का फूल कहते हैं, वह तकनीकी रूप से एक अकेला फूल नहीं बल्कि बहुत से छोटे-छोटे फूलों का पुष्पक्रम है। इसका यह सफेद, मुलायम और पंखदार रूप ही इसे इतना आकर्षक बनाता है। परिपक्व होने पर इसके बीजों के साथ महीन रोएं विकसित होते हैं, जो हवा के साथ दूर तक जा सकते हैं। इससे कांस को नए स्थानों तक फैलने में मदद मिलती है।

कभी गद्दों में भरते थे कांस के फूल

आज कांस का इस्तेमाल मुख्य रूप से प्राकृतिक दृश्य और पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा होने के कारण दिखाई देता है, लेकिन ग्रामीण जीवन में कभी इसकी उपयोगिता भी थी। इसके सूखे मुलायम पुष्पक्रम और रेशेदार सामग्री का इस्तेमाल गद्दे, तकिए और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं में भराव सामग्री के रूप में किया जाता था। आधुनिक जीवनशैली और बाजार में उपलब्ध कृत्रिम तथा औद्योगिक सामग्री के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कांस की यह पारंपरिक उपयोगिता लगभग समाप्त हो गई है।

सिर्फ खूबसूरती नहीं, पारिस्थितिकी में भी भूमिका

कांस को केवल मानसून की विदाई का प्रतीक मानना इसके महत्व को सीमित कर देगा। यह प्राकृतिक घासभूमि और नदी-तटीय पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी जड़ें मिट्टी को बांधने में मदद करती हैं और वनस्पति आवरण भूमि के कटाव को कम करने में योगदान दे सकता है। हालांकि किसी क्षेत्र में इसका अत्यधिक विस्तार हमेशा सकारात्मक नहीं माना जा सकता। यदि यह स्थानीय वनस्पतियों को पीछे छोड़कर बहुत तेजी से फैल जाए, तो वनस्पति समुदाय की संरचना प्रभावित हो सकती है। इसलिए कांस को उसके स्थानीय पारिस्थितिक संदर्भ में देखना ज्यादा उचित है।

फोटो में मौसम बदलने की कहानी

कूकस रोड पर खींची गई यह तस्वीर केवल फूलों की खूबसूरती नहीं दिखाती, बल्कि मौसम के संक्रमण की पूरी कहानी कहती है। एक तरफ पहाड़ों पर मानसून की हरियाली है, तो दूसरी तरफ उन्हीं पहाड़ियों के बीच सफेद कांस का विस्तार—मानो प्रकृति खुद बता रही हो कि बरसात का मौसम अब अपने अंतिम पड़ाव पर है और शरद दस्तक दे रही है। हवा के साथ लहराते कांस के फूलों को देखकर तुलसीदास की सदियों पुरानी पंक्तियां आज भी उतनी ही जीवंत लगती हैं—

'फूले कास सकल मही छाई... '
मानो सचमुच बारिश की विदाई पर धरती ने सफेद चादर ओढ़ ली हो।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सेवाभावी,कर्मण्ठ कार्यकर्ता ने थामा कांग्रेस का हाथ

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। शाहपुरा-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व नगर अध्यक्ष, कर्मण्ठ, सेवाभावी व जुझारू कार्यकर्ता तेली मोहल्ला के नवीन मराठा ने भारतीय जनता पार्टी से नाराज होकर कांग्रेस पार्टी का हाथ थाम लिया है। बुधवार की रात को कांग्रेस के पूर्व पार्षद व कांग्रेस के कर्मण्ठ कार्यकर्ता एवं आने वाले चेयरमैन रमेश सेन व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ शपथ ग्रहण कर कांग्रेस का हाथ थामा है। नवीन मराठा ने बताया कि कॉग्रेस पार्टी मेने इसलिए जोइनिंग की की कांग्रेस पार्टी सबको साथ लेके चलती है यह 36 कॉम को साथ लेके चलती है। कांग्रेस के पूर्व पार्षद रमेश सेन, कांग्रेस की पूर्व पार्षद चंचल मिश्रा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मिलकर नवीन मराठा को कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया व कांग्रेस का हाथ थमाया। रमेश सेन ने बताया कि अभी नगर निकाय चुनाव चल रहे है और भारतीय जनता पार्टी की कार्य सेली से नाराज होकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के मजबूत सदस्य नवीन मराठा ने कांग्रेस का हाथ थामा है।कांग्रेस पार्टी इस नए सदस्य का हार्दिक स्वागत करती है और आगे भी इनको साथ लेकर चलेगी। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के सभी सदस्यगण उपस्थित रहे।

जीवन मे मर्यादा न हो तो जीवन अधूरा है, मर्यादित जीवन ही व्यक्ति को मोक्ष मार्ग की ओर ले जा सकता है: प्रतिभा श्री जी

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। पर्वाधिराज पर्यूषण के द्वितीय दिवस शान्ति भवन सेन्थी मे विराजीत महासातियो के प्रवचन हुए। सर्वप्रथम श्री प्रेरणा श्री जी म. सा. ने अन्तःगढ़ सूत्र का वाचन किया। स्पष्ट वक्ता श्री प्रेक्षा श्री जी म. सा. ने फरमाया कि आत्मा में बसना पर्यूषण है व दुनिया मे बसना प्रदूषण है। सामायिक के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए आपने बताया कि सामायिक विभाव से स्वभाव मे पहुंचा देती है। शरीर व आत्मा का भेद तब ज्ञात होता है जब शरीर को कष्ट होता है। भटकते मन को स्थिर करने के लिए सामायिक आवश्यक है। सामायिक स्व आत्म कल्याण का साधन है। सामायिक से ही अनेक आत्माऐं मोक्ष तक पहुंची है। साधु की सामायिक को दीक्षा कहते है अर्थात् जीवन भर के लिए सामायिक व्रत अंगीकार करना। सामायिक मे विकार नही होना चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी साधना एक जैसी है किन्तु सबके साध्य अलग अलग है। यदि व्यक्ति लक्ष्य से भटक गया तो उसे मन्जिल कभी नही मिल सकती है। सामायिक मोक्ष प्राप्ति का साधन है। साधु की सामयिक 3 करण व 3 योग की होती है जबकि 2करण की सामयिक श्रावक की होती है। श्रावक सामायिक पूरी वेशभूषा मे करे तो ही सामायिक भाव उत्पन्न होगे। प्रात:कालीन सामायिक शुद्ध सामायिक होती है । शान्त वातावरण मे सामायिक करना मन व तन को प्रफुल्लित करता है। सामायिक मे तप आराधना होती है। क्रोध की आग को बुझाना है ' मन की चंचलता को मिटाना है या आत्मा को सुखी बनाना है तो सामायिक अवश्य करे । साध्वी श्री प्रतिभा श्री जी ने जैनम् जयति शासनम् के साथ अपने व्याख्यान में फरमाया कि जीवन मे मर्यादा न हो तो जीवन अधूरा है। मर्यादित जीवन ही व्यक्ति को मोक्ष मार्ग की ओर ले जा सकता है। अग्नि पानी व हवा तीनों अनियन्त्रित हो तो विध्वंस सम्भव है उसी प्रकार व्यक्ति मे मर्यादा आवश्यक है।

ब्यावर में 72.20' मतदान, मसूदा में सबसे ज्यादा 84.67'

फर्जी मतदान के आरोपों पर कई बूथों पर हंगामा, पुलिस ने संभाली कमान; सुविधाओं को लेकर भी उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत बुधवार को हुए मतदान में मतदाताओं में खासा उत्साह नजर आया। शाम 6 बजे तक ब्यावर नगर परिषद में 72.20 प्रतिशत, विजयनगर नगर पालिका में 81.35 प्रतिशत तथा मसूदा नगर पालिका में 84.67 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। तीनों निकायों में सबसे अधिक मतदान मसूदा में हुआ। मतदान के दौरान ब्यावर के कई मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर हंगामे की स्थिति बनी। विवाद की सूचना पर पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। संवेदनशील बूथों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई तथा पुलिस ने 200 मीटर के दायरे में अनावश्यक रूप से मौजूद लोगों को हटाया। वहीं मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं को लेकर भी कुछ स्थानों पर मतदाताओं में नाराजगी देखने को मिली। कई बूथों पर दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की शिकायत सामने आई। कुछ मतदान केंद्रों पर पेयजल व्यवस्था को लेकर भी मतदाताओं ने असंतोष जताया। दिनभर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें मतदान केंद्रों पर निगरानी करती रहीं। जहां भी विवाद या हंगामे की स्थिति बनी, वहां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभाली। सुरक्षा के बीच मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

मतदान के बाद गहलोत कॉलोनी में दिखी भाईचारे की मिसाल, तीनों प्रत्याशियों का माला पहनाकर किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। निकाय चुनाव में मतदान संपन्न होने के बाद गहलोत कॉलोनी में भाईचारे और सौहार्द का अनोखा माहौल देखने को मिला। कॉलोनीवासियों ने चुनाव मैदान में उतरे तीनों प्रमुख प्रत्याशियों का माला पहनाकर स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशी बद्री सामरिया, कांग्रेस प्रत्याशी हनुमान सांखला एवं निर्दलीय प्रत्याशी नानकराम गहलोत का कॉलोनीवासियों ने गर्मजोशी से सम्मान किया। इस दौरान कॉलोनीवासियों ने कहा कि चुनाव में प्रत्याशी कोई भी हो, लेकिन जीत के बाद वार्ड के विकास और आमजन की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लोगों ने कहा कि जो भी प्रत्याशी चुनाव जीतकर आए, वह वार्ड की मूलभूत समस्याओं को दूर कराने के साथ विकास कार्यों को गति दे। कॉलोनीवासियों ने तीनों प्रत्याशियों से वार्ड में सड़क, नाली, सफाई, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने की अपेक्षा जताई। मतदान के बाद तीनों प्रत्याशियों का एक साथ माला पहनाकर स्वागत किए जाने से क्षेत्र में आपसी भाईचारे और लोकतांत्रिक सौहार्द का संदेश देखने को मिला।

मकरेड़ा पुलिया पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 248 किलो डोडा पोस्त व 940 ग्राम अफीम जब्त

ब्रेजा कार दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद दो आरोपी गिरफ्तार, जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 40 लाख रुपए

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ब्यावर सदर थाना पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 248 किलो 140 ग्राम अवैध डोडा पोस्त और 940 ग्राम अफीम बरामद की। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह के निर्देशन में एएनटीएफ टीम को मादक पदार्थ की तस्करी की विशेष सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर 8 सितंबर की मध्यरात्रि मकरेड़ा पुलिया, रामपुरा

मेवातियान के पास नाकाबंदी कर ब्रेजा कार को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान कार मकरेड़ा पुलिया पर टक्कर लगने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर ब्यावर सदर थाना प्रभारी गजराज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एएनटीएफ टीम के साथ संयुक्त रूप से कार की तलाशी ली गई, जिसमें 248 किलो 140 ग्राम डोडा पोस्त तथा 940 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मामले में लेखाराम उर्फ पीपी (28) पुत्र दौलतराम विश्नोई निवासी भोलजी भा की ढाणी खोखरियां, थाना कापरड़ा, जोधपुर ग्रामीण तथा सूर्यप्रकाश उर्फ सुरेश (26) पुत्र गोपाराम विश्नोई निवासी भालू कच्छब नगर कुम्भानिया, केतु कलां, थाना चामू, जोधपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से मादक पदार्थ की तस्करी के नेटवर्क और सप्लाई को लेकर पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में ये रहे शामिल: ब्यावर सदर थानाधिकारी गजराज, एएनटीएफ चौकी पाली के उप निरीक्षक सूरजभान सिंह, एएसआई महेन्द्र सिंह, हैड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, कांस्टेबल मांगीलाल, सुखपाल, स्वरूपराम, धर्माराम तथा एएनटीएफ पुलिस चौकी पाली व जोधपुर रेंज की टीम। कार्रवाई में कांस्टेबल भगाराम का विशेष योगदान रहा।

नेत्रदान पखवाड़े के समापन पर चिकित्सकों व स्टाफ ने लिया नेत्रदान का संकल्प

स्मार्ट हलचल

कोटा। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत चलाए गए जागरूकता अभियान का समापन सुवि नेत्र चिकित्सालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुआ। इस अवसर पर चिकित्सकों, करीब 70 स्टाफ सदस्यों और रोगियों के परिजनों ने नेत्रदान का संकल्प लेकर समाज को प्रेरक संदेश दिया। कार्यक्रम में आई बैंक सोसायटी, कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया सहित पदाधिकारी, चिकित्सक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। नेत्रदान की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए सुवि नेत्र चिकित्सालय के निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश पाण्डेय और डॉ. विदुषी शर्मा का आई बैंक सोसायटी की ओर से सम्मान किया गया। डॉ. कंजोलिया और डॉ. पाण्डेय ने कहा कि नेत्रदान मानव सेवा का ऐसा संकल्प है, जिससे मृत्यु के बाद भी किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। चिकित्सकों ने कॉर्निया प्रत्यारोपण, नेत्रदान की प्रक्रिया, समय-सीमा और परिवार की सहमति से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने पर जोर दिया। समाजसेवी संदीप चांदीवाला और अपना घर आश्रम के सतीश गुप्ता ने नेत्रदान को सेवा एवं परोपकार का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। समारोह में युवाओं और परिवारों से नेत्रदान के विषय पर खुलकर संवाद करने तथा जागरूकता अभियान को पूरे वर्ष जारी रखने का आह्वान किया गया।

ऊकरूंद की टूटी पुलिया पर सिस्टम खामोश!

ट्रैक्टर-टैंकर गिरने से तबाह हुई पुलिया, अब ग्रामीणों के लिए बनी आफत—सड़क निर्माण भी अटका, हादसे की आशंका से सहमे लोग

मंडावर उपखंड मुख्यालय के समीप की तस्वीर, जिम्मेदारों की अनदेखी पर ग्रामीणों में भारी रोष

स्मार्ट हलचल/नीरज मीणा

मंडावर। उपखंड मुख्यालय मंडावर के समीप ग्राम ऊकरूंद में एक क्षतिग्रस्त पुलिया ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। गांव में उमराव मीणा के घर के समीप तालाब पर बनी पुलिया पूर्व में ट्रैक्टर-टैंकर के गिरने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। हादसे के बाद पुलिया की हालत लगातार खराब बनी हुई है, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अब तक सड़क और पुलिया का स्थायी निर्माण नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है।

एक हादसे ने खोली व्यवस्था की पोल

ट्रैक्टर-टैंकर के पुलिया में गिरने के बाद पुलिया को हुए नुकसान ने इसकी मजबूती और सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। हादसे के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि जिम्मेदार विभाग तत्काल मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त हिस्से का पुनर्निर्माण करवाएगा। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि समय गुजरता गया और समस्या का समाधान नहीं हुआ। आज स्थिति यह है कि ग्रामीणों को मजबूरी में इसी मार्ग से आवागमन

करना पड़ रहा है। सड़क और पुलिया की खराब हालत के कारण वाहन चालकों को काफी सावधानी बरतनी पड़ती है।

रोजमर्रा का रास्ता बना जोखिम का रास्ता

यह मार्ग ग्रामीणों के दैनिक आवागमन से जुड़ा हुआ है। ग्रामीणों को खेतों, आसपास के क्षेत्र और मंडावर की ओर आने-जाने में इस रास्ते का उपयोग करना पड़ता है। पुलिया की क्षतिग्रस्त स्थिति के कारण दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए परेशानी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो जाती है। क्षतिग्रस्त हिस्से का अंदाजा नहीं लगने पर वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

बरसात आई तो बढ़ेगी मुसीबत

तालाब के पास बनी पुलिया होने के कारण बरसात के दौरान समस्या और गंभीर होने की आशंका है। पानी का स्तर बढ़ने, कीचड़ जमा होने और रास्ता खराब होने से आवागमन बाधित हो सकता है। ऐसे में ग्रामीणों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दौरान किसी अनहोनी से पहले पुलिया और सड़क का निर्माण कराया जाना बेहद जरूरी है।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा—'किसी की जान जाने के बाद जागेंगे जिम्मेदार?'

पुलिया की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने कहा कि—

'पुलिया पहले ही हादसे में टूट चुकी है। अब भी अगर इसका निर्माण नहीं कराया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। जिम्मेदारों को किसी की जान जाने का इंतजार नहीं करना चाहिए। '

एक अन्य ग्रामीण ने कहा—

'यह समस्या आज की नहीं है। हम लंबे समय से परेशानी झेल रहे हैं। अधिकारियों को मौके पर आकर स्थिति देखनी चाहिए। सड़क और पुलिया का स्थायी निर्माण ही इसका समाधान है। '

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांवों की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया जाता। जब कोई बड़ा हादसा होता है, तभी प्रशासन हरकत में आता है।

ग्रामीणों की दो टूक—अब आश्वासन नहीं, निर्माण चाहिए

ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि ऊकरूंद में उमराव मीणा के घर के समीप तालाब की क्षतिग्रस्त पुलिया का मौके पर निरीक्षण कराकर जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए। साथ ही पुलिया से जुड़े सड़क मार्ग को भी दुरुस्त कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और पुलिया का निर्माण केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

सबसे बड़ा सवाल—हादसे के बाद भी क्यों नहीं हुई कार्रवाई?

ट्रैक्टर-टैंकर के गिरने से पुलिया क्षतिग्रस्त होने के बाद भी यदि उसका स्थायी समाधान नहीं हुआ है तो सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जिम्मेदार विभाग की नजर इस समस्या पर कब पड़ेगी?

ग्रामीणों की मांग साफ है—

'हादसे का इंतजार मत करो, पुलिया बनाओ और रास्ता सुरक्षित करो। '

अब देखना यह है कि ग्रामीणों की आवाज जिम्मेदार अधिकारियों तक कब पहुंचती है और ऊकरूंद की इस जमीनी समस्या का समाधान कब धरातल पर दिखाई देता

राजस्थान में कल से बारिश का अलर्ट

10 शहरों में पारा 35 डिग्री से ऊपर, हवा चलने से सुबह-शाम ठंडक

स्मार्ट हलचल

जयपुर मौसम विभाग ने राज्य में 11 सितंबर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। कल 5 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के एरिया में 12 और 13 सितंबर को भी बारिश की चेतावनी बुधवार को राज्य के सभी शहरों में सुबह से देर शाम तक धूप रही। दिन में धूप के कारण हल्की गर्मी, जबकि सुबह-शाम हवा चलने से ठंडक सुहावना मौसम रहा। 10 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री से ज्यादा रहा।

लसड़ावन में पौधारोपण कार्य का लोकपाल ने किया भौतिक सत्यापन, 71 के मुकाबले मौके पर मिले 26 श्रमिक

ऑनलाइन दर्ज उपस्थिति और जमीनी हकीकत में मिला बड़ा अंतर, ग्राम पंचायत का रिकॉर्ड भी मिला अधूरा; कार्मिकों को सख्त हिदायत

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा । पंचायत समिति निंबाहेड़ा की ग्राम पंचायत लसड़ावन में चल रहे पौधारोपण संबंधी कार्य का जिला परिषद चित्तौड़गढ़ के लोकपाल अभिषेक सोनी ने मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया। ऑनलाइन रिकॉर्ड में जहां उक्त कार्य पर 71 श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज दर्शाई गई थी, वहीं मौके पर निरीक्षण के दौरान मात्र 26 श्रमिक ही कार्यस्थल पर उपस्थित मिले। इस तरह ऑनलाइन दर्ज श्रमिकों की संख्या और मौके पर वास्तविक उपस्थिति में स्पष्ट अंतर सामने आया। निंबाहेड़ा क्षेत्र की

विभिन्न ग्राम पंचायतों में पूर्व निरीक्षण के दौरान सामने आई अनियमितताओं को देखते हुए लोकपाल अभिषेक सोनी ने लसड़ावन में चल रहे कार्य की वास्तविक स्थिति की जांच के लिए स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

71 की ऑनलाइन उपस्थिति, मौके पर सिर्फ 26 श्रमिक

निरीक्षण के दौरान ऑनलाइन रिकॉर्ड में 71 श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज मिली, जबकि मौके पर केवल 26 श्रमिक कार्य करते हुए पाए गए। इस अंतर को लोकपाल ने गंभीरता से लिया और संबंधित कार्मिकों को भविष्य में ऐसी अनियमितताओं की पुनरावृत्ति नहीं होने की सख्त हिदायत दी। मौके पर श्रमिकों की वास्तविक उपस्थिति का सत्यापन किए जाने से ऑनलाइन रिकॉर्ड और जमीनी स्थिति के बीच अंतर सामने आया।

ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड भी मिले अधूरे

लोकपाल ने कार्यस्थल के निरीक्षण के साथ ग्राम पंचायत के संबंधित रिकॉर्ड की भी जांच की। निरीक्षण में अधिकांश रिकॉर्ड अधूरे पाए गए। साथ ही यह भी सामने आया कि ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड में अप्रैल 2026 के बाद संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आवश्यक अपडेट नहीं किया जा रहा था।

रिकॉर्ड पूर्ण और अद्यतन करने के निर्देश

अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए लोकपाल ने मौके पर उपस्थित संबंधित कार्मिकों को निर्देश दिए कि योजना से संबंधित सभी रिकॉर्ड पूर्ण एवं अद्यतन किए जाएं। साथ ही संबंधित कार्मिकों को कार्यालय में उपस्थित होकर रिकॉर्ड प्रस्तुत करने और उसका सत्यापन करवाने के निर्देश दिए गए। लोकपाल अभिषेक सोनी ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना, श्रमिकों की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा योजना से संबंधित रिकॉर्ड का समयबद्ध एवं नियमानुसार संधारण आवश्यक है। इस निरीक्षण से ऑनलाइन दर्ज श्रमिक उपस्थिति और मौके की वास्तविक स्थिति के बीच अंतर सामने आने के बाद संबंधित योजना के क्रियान्वयन और रिकॉर्ड संधारण को लेकर निगरानी और सख्त किए जाने के संकेत मिले हैं।

फ्लाइट ऑफ फैंटेसी से 15 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा पहली हवाई यात्रा का अनुभव

मेरिट के दम पर 15 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी 'फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' की उड़ान

स्मार्ट हलचल

कोटा। सरकारी विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नए अनुभव और अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कोटा सिटी राउंड टेबल-358 ने 'फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' पहल शुरू की है। इसके तहत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, रिझड़ी की कक्षा 8 के 15 मेधावी विद्यार्थियों को पहली बार हवाई यात्रा का अनुभव कराया जाएगा। इनमें पांच छात्र और 10 छात्राएं शामिल हैं। विद्यार्थियों का चयन मेरिट के आधार पर किया गया है। संस्था अध्यक्ष रोहित जैन ने बताया कि चयनित विद्यार्थी 11 सितंबर को जनशताब्दी ट्रेन से दिल्ली जाएंगे। वहां लाल किला, इंडिया गेट, कुतुब मीनार और अक्षरधाम मंदिर सहित प्रमुख ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद दिल्ली से जयपुर तक विद्यार्थियों को हवाई यात्रा कराई जाएगी। पहली बार विमान में बैठने और उड़ान भरने का अनुभव उनके लिए रोमांचकारी होने के साथ जीवनभर यादगार रहेगा। रोहित जैन ने कहा कि 'फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' केवल हवाई यात्रा कराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की कल्पनाओं को पंख देने और उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। संसाधनों के अभाव में कई प्रतिभाशाली बच्चे ऐसे अनुभवों से वंचित रह जाते हैं। यह पहल उन्हें संदेश देती है कि प्रतिभा और मेहनत के बल पर अवसरों की कोई सीमा नहीं है।

दस लाख की चोरी का 15 दिन बाद भी खुलासा नहीं

नकब लगाकर घर से उड़ाए थे सोने-चांदी के जेवर और नकदी, पीड़िता ने एसपी व मुख्यमंत्री पोर्टल पर की शिकायत

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के बिछियावां गांव में 22 अगस्त की रात घर के पीछे की दीवार में नकब लगाकर हुई करीब दस लाख रुपये के जेवरात व नकदी की चोरी का 15 दिन बाद भी पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है। कार्रवाई न होने से परेशान पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर चोरी का जल्द खुलासा कराने की मांग की है। पीड़िता मालती देवी के अनुसार, 22 अगस्त की रात अज्ञात बदमाश घर के पीछे की दीवार काटकर अंदर घुसे और सोने-चांदी के जेवरात के साथ बेटे के रखे करीब 10 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। पीड़िता का कहना है कि चोरी गए आभूषणों में उसके खुद के जेवरात के अलावा उसकी बेटी के शादी के पूरे आभूषण भी शामिल थे। मालती देवी ने बताया कि उसकी बेटी की शादी नौ मार्च को हुई थी। शादी के बाद बेटी और दामाद दिल्ली जाने लगे तो बेटी अपने जेवरात मायके में ही रख गई थी। इसी दौरान चोरों ने घर में रखे जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस ने गांव से दो-तीन संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए उठाया, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। उसका यह भी आरोप है कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच करने के बजाय उसे ही थाने बुला रही है। लगातार 15 दिन बीत जाने के बाद भी चोरी का खुलासा नहीं होने से पीड़िता और उसका परिवार परेशान है। पीड़िता का कहना है कि पुलिस की ओर से लगातार जांच की बात कही जा रही है, लेकिन अब तक न तो चोरी का सामान बरामद हुआ और न ही घटना का खुलासा हो सका है। उसने पुलिस अधिकारियों से मामले की गंभीरता से जांच कर जल्द चोरों को पकड़ने और चोरी गए जेवरात बरामद कराने की मांग की है।

किसकी बनेगी सरकार मतदान हुआ उत्साह के साथ सम्पन्न फैसला आने का होने लगा इंतजार

मंत्री नागर व पूर्व पालिकाध्यक्ष देवकीनंदन राठौर दोनों चुनाव को लेकर आपसी गम्भीरता से चर्चा करते

35 वार्डो में 83.23 प्रतिशत हुआ मतदान

स्मार्ट हलचल

सांगोद सांगोद नगर की सरकार चुनने के लिए बुधवार को मतदाताओं में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला,यहां बनाएं गए मतदान केन्द्रों पर सुबह 7 बजे मतदान शुरू हो गया था,सुबह के वक्त मतदाताओं की कतारे कम देखने को मिली,ज्यो ज्यो धूप कि किरणे फैलने लगी मतदाताओं का उत्साह परवान चढता रहा।इस बार युवाओं से लेकर प्रोढ तक के उत्साह के बीच मतदान किया।समदपीर के चौक में रहने वाली 110 वर्षीय आलिया बेगम ट्राईसाइकिल पर मतदान करने पहुंची,शतायु पार इस वृद्व महिला ने पहले मतदान किया इसके बाद

भोजन करने की परिवारजनों से इच्छा जताई।इस कारण बेटा व अन्य परिजन उसे पहले पीएम श्री राउमावि सांगोद में स्थित मतदान केन्द्र पर वोट डलवाने के लिए लाएं,इसके अलावा कोई बैसाखियों के सहारे तो कोई परिजनों के कंधों की मदद से मतदान स्थल तक आया।ये सिलसिला दिनभर चलता रहा।दस बजे बाद मतदान का प्रतिशत बढा,मतदान केन्द्रों पर अच्छी खासी भीड देखने को मिली,इस बारा पीएम श्री राउमावि सांगोद में सर्वाधिक 5 मतदान केन्द्र एक साथ बनाएं गए,इस कारण यहां अधिक भीडभाड देखने कोमिली,मतदान केन्द्र से दूर भाजपा,कांग्रेस व निर्दलीय के प्रत्याशियों के टेबिले लगाकर बैठने से पर्चिया बनाने का काम किया गया। नगर की सरकार चुनने के लिए बुधवार को यहां हुए मतदान केन्द्रों पर कडी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शुरू हुआ,कुल 35 मतदान केन्द्रों में से 25 संवेदनशील घोषित किए गए थे,यहां पर एक भी अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्र नहीं है,कुल मतदाताओं की संख्या 23 हजार 3 सौ 14 है,इनमें से मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग सांगोद की सरकार चुनने के लिए किया।मतदान केन्द्रों पर कानून व्यवस्था परखने के लिए 5 सेक्टर अधिकारी नियुक्त किए गए,जो दिनभर मतदान केन्द्रों पर व्यवस्थाऐं देखते रहे।पीएम श्री राउमावि सांगोद में कमरा नं 4में वार्ड संख्या 33 के लिए बने मतदान केन्द्र पर मतदान के दौरान एक अजीबोगरीब चूक देखने को मिली,यहां एक मतदाता ईवीएम मशीन तक पहुंचा लेकिन बिना बटन दबाएं वहां से बाहर निकल गया,मत डलने से पहले वह अनभिज्ञता के चलते बाहर आ गया,एक मत का डिफरेंस आने पर तुरंत बीएलओं को मतदान कर्मियों ने बुलाया तथा बिना वोट दिए निकले व्यक्ति की पहचान करके उसे वापस वोट डालने के लिए बुलाया गया ।इसके बाद पैदा हुआ गतिरोध दूर हो सका।

आतंकवाद पर सख्त भारतः विदेशी राजनयिकों के समक्ष पेश की 'प्रहार' रणनीति

स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। वैश्विक मंच पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी 'जीरो-टॉलरेंस' नीति को मजबूत करते हुए भारत ने एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नई दिल्ली में भारत की आतंकवाद-रोधी रणनीति पर विशेष ब्रीफिंग सत्रों की अध्यक्षता की। दो दिनों तक चले इन महत्वपूर्ण सत्रों में भारत में नियुक्त विभिन्न देशों के रेजिडेंट एंबेसडर्स (निवासी राजदूतों) और वरिष्ठ विदेशी राजनयिकों ने हिस्सा लिया। इन ब्रीफिंग सत्रों का मुख्य केंद्र बिंदु भारत की नव-घोषित व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति 'प्रहार' रहा। इस दौरान पश्चिम मामलों के सचिव जॉर्ज ने विदेशी राजनयिकों को 'प्रहार' के बहुआयामी और खुफिया-आधारित दृष्टिकोण से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह यह राष्ट्रीय रणनीति आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों, सीमा पार से होने वाले आतंकवाद, नई तकनीकों के दुरुपयोग और आतंकवाद के वित्तपोषण (टेरर फंडिंग) से निपटने के लिए भारतीय सुरक्षा तंत्र को पूरी तरह सक्षम बनाती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा सेक्रेटरी (वेस्ट) सिबी जॉर्ज ने भारत की आतंकवाद-रोधी रणनीति पर ब्रीफिंग सेशन की अध्यक्षता की, जिसमें रेजिडेंट एंबेसडर और राजनयिक शामिल हुए। ये ब्रीफिंग भारत की व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति - 'प्रहार' पर केंद्रित थीं। ब्रीफिंग के दौरान भारत की ओर से इस बात पर जोर दिया गया कि आतंकवाद किसी एक देश की नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए खतरा है। सिबी जॉर्ज ने उपस्थित राजदूतों और राजनयिकों से कहा कि आतंकवाद के बदलते तौर-तरीकों (जैसे साइबर स्पेस और क्रिप्टोकरेंसी का दुरुपयोग) को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत कूटनीतिक सहयोग और खुफिया जानकारियों का वास्तविक समय (रियल-टाइम) में साझाकरण बेहद जरूरी है। इसके जरिए भारत ने वैश्विक कूटनीतिक समुदाय को यह साफ संदेश दिया है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा और हम आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए सभी मित्र देशों के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध हैं।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में चित्तौड़गढ़ में एथेनॉल भरा टेंकर किया सीज...

प्रदेश में अवैध मदिरा पर कार्रवाई जारी, वॉश एवं भट्टियां नष्ट

स्मार्ट हलचल

उदयपुर, आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत चिश्रौड़गढ़ में आबकारी दल की कार्रवाई के तहत एथेनॉल से भरा टेंकर जब्त किया गया। इस टेंकर के वॉल्व बॉक्स की सील टूटी मिली है। प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। चिश्रौड़गढ़ जिला आबकारी अधिकारी लोकेश जोशी के अनुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर एथेनॉल से भरे टेंकर संख्या त्र्श32 ळक् 9220 की जांच करने पर उसके वॉल्व बॉक्स की सील टूटी हुई मिली। टेंकर में 215 किलोग्राम वजन में कमी सहित 33 एमएम गेज भी कम

था। उक्त संदेहास्पद स्थिति के तहत 39 हजार 900 लीटर एथेनॉल से भरे टैंकर को सीज करते हुए चालक बच्चूसिंह को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकार आबकारी एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। कार्रवाई में एईओ महिपाल सिंह, एईओ शुभम सोनी, सीआई दिगंबर दयाल एवं पीओ धोलाराम शामिल रहे। अलवर में टोयाटा कार से 196 पव्वे आईएमएफएल एवं देशी शराब के जब्त किए साथ ही आरपीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई में 24 बोतल अंग्रेजी शराब फोर सेल इन चंड़ीगढ़ बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पाली में ईपीएफ टीम ने 6 कार्टन में भरी देशी मदिरा जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। हनुमानगढ़ में आबकारी टीम ने 58 देशी मदिरा के पव्वे, 12 बीयर बोतल एवं 15 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त कर 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

उनियारा नगर पालिका में 86.44 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान 20 वार्डों के 80 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद...

शांतिपूर्ण मतदान के बाद अब मतगणना का इंतजार-रिटर्निंग अधिकारी (एसडीएम) ने ड्यूटी में लगे अधिकारी-कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन सहित मीडियाकर्मियों का जताया आभार

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। उनियारा नगर पालिका के आम चुनाव में बुधवार, 9 सितंबर को मतदान प्रक्रिया शा तिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। नगर पालिका क्षेत्र में 86.44 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नगर पालिका के 20 वार्डों में 80 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। मतदान समाप्त होने के साथ ही सभी प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में बंद हो गया है। अब प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की निगाहें मतगणना पर टिकी हुई हैं।

सुबह से मतदान केंद्रों पर रही मतदाताओं की आवाजाही

बुधवार सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। दिनभर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं में उत्साह नजर आया। प्रशासन की निगरानी में मतदान प्रक्रिया पूरी कराई गई। वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए, जिसके चलते मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

रिकॉर्ड मतदान ने बढ़ाई चुनावी उत्सुकता

नगर पालिका चुनाव में 86.44 प्रतिशत मतदान होने के बाद चुनाव परिणाम को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। अधिक मतदान का फायदा किस प्रत्याशी को मिला और किस वार्ड में मतदाताओं ने किसके पक्ष में अपना जनादेश दिया, इसका खुलासा अब मतगणना के बाद ही होगा। 20 वार्डों के 80 प्रत्याशियों की नजरें अब मतगणना पर टिकी हैं। मतदान समाप्त होने के बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक अपने-अपने स्तर पर मतदान प्रतिशत और बूथवार रुझानों का आंकलन करते नजर आए।

अब ईवीएम खोलेगी जनादेश का राज

मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही प्रत्याशियों के बीच जीत-हार को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। किसके सिर सजेगा उनियारा नगर पालिका का ताज और किसे जनता का जनादेश मिलेगा, इसका फैसला मतगणना के बाद होगा।

शांतिपूर्ण मतदान पर रिटर्निंग अधिकारी (एसडीएम) ने जताया आभार

वहीं उनियारा नगर पालिका के सभी 20 वार्डों में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने पर रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सुमन गुर्जर ने चुनाव ड्यूटी में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन सहित मीडियाकर्मियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद दिया। शांतिपूर्ण मतदान और रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत के बाद अब उनियारा की जनता जनार्दन के साथ-साथ प्रत्याशियों को भी मतगणना और चुनाव परिणाम का बेसब्री से इंतजार है।

95 वर्षीय वृद्धा से लेकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं तक – चूरू में लोकतंत्र के महापर्व में हर वर्ग ने दिखाया भरपूर उत्साह

नगरीय निकाय चुनाव 2026 के प्रथम चरण में चूरू, सुजानगढ़, राजगढ़, रतननगर एवं छापर में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक निभाई लोकतांत्रिक जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल

चूरू,/नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के प्रथम चरण में बुधवार को नगरपरिषद चूरू, सुजानगढ़ तथा नगरपालिका राजगढ़, रतननगर एवं छापर में प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अपील पर जिलेवासियों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भाग लिया। वृद्ध, दिव्यांग, नवमतदाता एवं महिलाओं सहित

समाज के हर वर्ग ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। मतदान के पर्व के लिए प्रेरणादायी चेहरा रहीं राजगढ़ के वार्ड संख्या 29 की 95 वर्षीय गीता देवी। चलने-फिरने में असमर्थ होने के बावजूद वे परिजनों की सहायता से मतदान केंद्र पहुंचीं और अपना वोट डाला। उनके इस जज्बे ने मतदाताओं के मन में लोकतंत्र के प्रति सम्मान और गहरा कर दिया। इसी प्रकार राजगढ़ के वार्ड संख्या 31 की राजबाला का हाल ही में ऑपरेशन हुआ था, किंतु उन्होंने मतदान के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई एवं मतदान केंद्र नेहरू बाल मंदिर स्कूल में परिजनों एवं उपस्थित स्टाफ की मदद से हिम्मत जुटाकर मतदान किया और संदेश दिया कि सभी लोकतांत्रिक कर्तव्य का सम्मान करें एवं उत्साहपूर्वक मतदान करें। चूरू के वार्ड संख्या 20 स्थित ऑक्सफोर्ड स्कूल मतदान केंद्र पर 51 वर्षीय दिव्यांग मोहम्मद छोटू असलम स्काउट स्वयंसेवक विनोद की सहायता से मतदान करने पहुंचे। मतदान के पश्चात उन्होंने कहा कि शारीरिक अक्षमता कभी भी कर्तव्य की राह में बाधा नहीं बन सकती – मतदान करना हर नागरिक का अधिकार भी है और फर्ज भी। नवमतदाताओं में भी मतदान के प्रति उल्लेखनीय उत्साह देखा गया। चूरू के वार्ड संख्या 54 की दिव्या चनानी तथा राजगढ़ के वार्ड संख्या 18 की अंशिका एवं नूतन ने पहली बार मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। लुहारीवाला धर्मशाला मतदान केंद्र पर मतदान के पश्चात अंशिका एवं नूतन ने कहा कि पहली बार वोट डालने का यह अनुभव एक जिम्मेदार नागरिक होने का बोध कराता है और प्रत्येक नागरिक को मतदान में अवश्य भाग लेना चाहिए। सुजानगढ़ के वार्ड संख्या 10 में महिला मतदाताओं ने सामूहिक रूप से मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग करके महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

किसके भरोसे ग्राम पंचायत के मुख्यालय दो पंचायतों के औचक निरीक्षण में खुली व्यवस्थाओं की पोल

बांगेरड़ा में दोपहर 12:30 बजे तक पंचायत मुख्यालय पर ताला, गादोला में भी नहीं मिला कोई कार्मिक 23 श्रमिकों से इंटरलॉकिंग की जगह कराया जा रहा था दूसरा काम

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । जिला चित्तौड़गढ़ के लोकपाल अभिषेक सोनी ने पंचायत समिति निंबाहेड़ा की ग्राम पंचायत गादोला एवं बांगेरड़ा मामादेव का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत मुख्यालयों पर कार्मिकों की अनुपस्थिति के साथ विकास कार्यों के संचालन में भी अनियमितताएं सामने आईं।

बांगेरड़ा में 12:30 बजे तक पंचायत मुख्यालय पर ताला

लोकपाल के निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत बांगेरड़ा के पंचायत मुख्यालय पर दोपहर करीब 12:30 बजे तक ताला लगा मिला। इस संबंध में लोकपाल ने दूरभाष के माध्यम से

ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायक से जानकारी ली। ग्राम विकास अधिकारी ने स्वयं के अन्य पंचायत में होने की जानकारी दी, जबकि कनिष्ठ सहायक ने पंचायत मुख्यालय पहुंचने की बात कही। दोपहर तक पंचायत मुख्यालय बंद मिलने की स्थिति ने ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं और पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि निर्धारित समय में पंचायत मुख्यालय पर कार्मिक उपलब्ध नहीं हों तो ग्रामीण अपनी समस्याएं और आवश्यक कार्य लेकर किसके पास जाएं, यह बड़ा सवाल है।

23 श्रमिकों का काम बदला, इंटरलॉकिंग की जगह कराई सफाई

बांगेरड़ा पंचायत में वीबी राम योजना के अंतर्गत चल रहे इंटरलॉकिंग टाइल्स के कार्य का भी निरीक्षण किया गया। मौके पर इस कार्य के लिए लगाए गए 23 श्रमिक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के बजाय अन्य कार्यों में लगे पाए गए, जिनमें साफ-सफाई आदि का कार्य शामिल था। निरीक्षण के आधार पर लोकपाल ने प्रथम दृष्टया पंचायत स्तर पर संचालित कार्यों की प्रभावी निगरानी एवं पर्यवेक्षण के अभाव तथा निर्धारित प्रक्रिया के पालन को लेकर स्थिति पर संज्ञान लिया।

गादोला में भी नहीं मिला कोई कार्मिक

इसी क्रम में ग्राम पंचायत गादोला के निरीक्षण के दौरान भी पंचायत मुख्यालय पर कोई कार्मिक उपस्थित नहीं मिला। दोनों ग्राम पंचायतों में कार्मिकों की अनुपस्थिति को लोकपाल अभिषेक सोनी ने अपने संज्ञान में लिया है।

अब होगी जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया

लोकपाल ने बताया कि सामने आए मामलों के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। साथ ही ग्राम पंचायतों में सामने आई अनियमितताओं एवं व्यवस्थागत कमियों को दूर करने तथा ग्रामीणों को पंचायत स्तर पर समय पर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अब सवाल सिर्फ ताले का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जिसके भरोसे ग्रामीण अपने जरूरी काम और समस्याएं लेकर ग्राम पंचायत मुख्यालय पहुंचते हैं। औचक निरीक्षण ने कम से कम इतना जरूर सामने ला दिया है कि पंचायतों में निगरानी और जवाबदेही को लेकर प्रशासन को और सख्ती की जरूरत है।

झारखंड की वोटर लिस्ट में मिले अफगान के तीन नागरिक

रांची (एजेंसी)। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में तीन अफगान नागरिकों के नाम पाए गए हैं, जिससे चुनाव अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। दस्तावेजों की जांच के दौरान उनकी विदेशी पहचान सामने आने के बाद चुनाव अधिकारियों ने तुरंत मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, आसिल खान, मोहम्मद असलम और मोहम्मद इब्राहिम नामक इन तीनों व्यक्तियों के नाम जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में दर्ज थे। इन तीनों ने गणना प्रक्रिया पूरी की थी और उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में भी शामिल हो गए थे। हालांकि, दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान कुछ गड़बड़ी मिलने पर तीनों के नाम नोटिस लिस्ट में आए। चुनाव अधिकारियों की ओर से तीनों को नोटिस भेजकर जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया, लेकिन वे वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद उनके पासपोर्ट की गहन जांच की गई, जिसमें उनकी पहचान अफगान नागरिकों के तौर पर सामने आई। ये तीनों जमशेदपुर ईस्ट के पोलिंग स्टेशन नंबर 286 में क्रमशः 30, 31 और 33 नंबर पर दर्ज थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि तीन विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। इनमें से एक की विदेशी नागरिकता की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो अन्य संदिग्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तीनों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। रवि कुमार ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह भी पता लगाया जाएगा कि इन विदेशी नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने में किसने मदद की। उन्होंने इसे एक आपराधिक गतिविधि बताया और कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, इन तीनों के परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जाएगी और उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी वास्तविक नागरिकता और स्थिति का पता लगाया जाएगा। मामले में जमशेदपुर के डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी को भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों की ओर से उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी कहा कि राज्य में ऐसे अन्य विदेशी नागरिकों की भी पहचान की जाएगी, जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग, 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर तैनात

सूरत (एजेंसी)। सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग बुझाने करीब 20-22 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। बचाव अधिकारियों के मुताबिक फायर कंट्रोल रूम को पहली इमरजेंसी कॉल रात करीब 12:52 बजे मिली, जिसके बाद पास के तीन फायर स्टेशनों से तुरंत दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी धुएं से भरे परिसर में घुसने और प्रभावित मंजिलों तक पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए ब्रीदिंग अपैरेटस सेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग की तीव्रता और दायरे को देखते हुए इसे मेजर फायर घोषित किया गया, जिसके बाद आग बुझाने और बचाव अभियान में मदद के लिए सूरत के अन्य इलाकों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल मार्केट में मंजिलें डबल-हाइट वाली हैं, जिसका मतलब है कि चौथी और पांचवीं मंजिलें असल में अपनी सामान्य ऊंचाई से कहीं ज्यादा ऊंचाई पर स्थित हैं। नतीजतन, दमकलकर्मियों को करीब 20 मीटर की ऊंचाई पर ऑपरेशन चलाना पड़ा।

गांव की लड़कियों से की शादी तो होगा बायकॉट, गुरुद्वारा सिंह सभा का फैसला

-गांव की लड़कियां शादी के लिए नहीं, बहन

जगराओं (एजेंसी)। पंजाब के रायकोट रोड स्थित रूबी गांव में प्रेम संबंधों को लेकर पंचायत और ग्रामीणों ने सख्त फैसला लिया है। गुरुद्वारा सिंह सभा में हुई बैठक में तय किया गया कि गांव का कोई युवक यदि गांव की ही लड़की को भगाकर ले जाता है या उससे शादी करता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। युवक के परिवार के खिलाफ भी बहिष्कार की कार्रवाई की बात कही गई है। पंचायत ने यह भी कहा कि लड़की को भगाने के बाद युवक या उसके परिवार ने आत्महत्या की कोशिश की, तो पंचायत, ग्रामीण, समाजसेवी संस्थाएं और खेल क्लब उनकी मदद नहीं करेंगे। पंचायत के अनुसार, यह फैसला फिलहाल रूबी गांव तक सीमित है। आसपास के गांवों में भी जल्द महापंचायत बुलाकर ऐसे फैसलों पर विचार किया जाएगा। पंचायत ने गांव की लड़कियों को बहन मानने की अपील की है।

अरुणाचल विधानसभा में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का संबोधन, राज्यपाल-सीएम पेमा खांडू सहित नेताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

विशेष सत्र के दूसरे दिन पहुंचे उपराष्ट्रपति, विकास यात्रा की सराहना कर जनप्रतिनिधियों से नए संकल्प के साथ काम करने का किया आह्वान

स्मार्ट हलचल

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के आठवें विधानसभा के सातवें विशेष सत्र के दूसरे दिन सदन में देश के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन का गरिमापूर्ण संबोधन हुआ। उपराष्ट्रपति के विधानसभा पहुंचने पर अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री पेमा खांडू, गृह मंत्री मामा नदुंग और विधानसभा अध्यक्ष ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान विधानसभा परिसर में गरिमापूर्ण माहौल रहा और जनप्रतिनिधियों ने उपराष्ट्रपति की उपस्थिति को महत्वपूर्ण एवं यादगार अवसर बताया।

विकास यात्रा को बताया उल्लेखनीय

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में अरुणाचल प्रदेश की विकास यात्रा और पिछले वर्षों में हुए बदलावों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश ने विकास और परिवर्तन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतियों के बावजूद यहां विकास की नई संभावनाएं लगातार आकार ले रही हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाए। विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

जनकल्याण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी प्रदेश की वास्तविक प्रगति केवल आधारभूत ढांचे के विकास तक सीमित नहीं होती, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के अवसरों में सुधार भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप नीतियों और योजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ काम करने से अरुणाचल प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकता है। प्रदेश की युवा शक्ति और प्राकृतिक संसाधन उसकी बड़ी ताकत हैं। इनका उपयोग सतत एवं संतुलित विकास के लिए किया जाना चाहिए।

विधानसभा में रहा गौरवपूर्ण माहौल

उपराष्ट्रपति का विधानसभा में संबोधन जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष अवसर रहा। उनके आगमन से लेकर सदन में संबोधन तक पूरे कार्यक्रम में गरिमा और उत्साह का माहौल दिखाई दिया। राज्यपाल, मुख्यमंत्री पेमा खांडू, गृह मंत्री मामा नदुंग और विधानसभा अध्यक्ष की ओर से किया गया गर्मजोशी भरा स्वागत भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। विशेष सत्र के दौरान अरुणाचल प्रदेश की अब तक की विकास यात्रा पर चिंतन के साथ भविष्य की दिशा को लेकर भी सकारात्मक संदेश सामने आया। जनप्रतिनिधियों के लिए यह अवसर प्रदेश की उपलब्धियों को याद करने और आने वाली चुनौतियों के लिए नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने का अवसर बना।

'विकसित अरुणाचल' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश

उपराष्ट्रपति के संबोधन का मुख्य संदेश प्रदेश के विकास और लोगों के कल्याण को केंद्र में रखकर आगे बढ़ने का रहा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने तथा जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। विधानसभा के विशेष सत्र में उपराष्ट्रपति की मौजूदगी और उनका संबोधन अरुणाचल प्रदेश की लोकतांत्रिक यात्रा का एक गौरवपूर्ण और यादगार अध्याय बना। इस अवसर पर प्रदेश की विकास यात्रा को नई दृष्टि से देखने और भविष्य के लिए नए उत्साह एवं दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश मिला।

बाढ़ पीड़ितों के बीच सांसद पप्पू यादव, व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूर्णिया, एजेंसी। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) ने हाल ही में बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, हाजीपुर और तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर, का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की, खुद खाना बनाया और आर्थिक सहायता भी वितरित की। उन्होंने बिहार सरकार की बाढ़ राहत व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए। हाजीपुर में मुख्यमंत्री के बाढ़ राहत शिविर का जायजा लेने के दौरान पप्पू यादव ने खाने की गुणवत्ता पर तंज कसा। शिविर में रह रहे लोगों ने शिकायत की कि उन्हें जली हुई दाल, कच्चा चना और चावल दिया जा रहा है, जो खाने लायक नहीं है। लोगों ने यह भी बताया कि नियमित मदद नहीं मिलती और व्यवस्थाएं केवल तब सुधरती हैं जब मुख्यमंत्री या कोई बड़ा अधिकारी दौरा करता है।

पप्पू यादव ने इसे सरकार का दिखावा करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के आने पर लाल कारपेट बिछ जाती है, लेकिन उनके जाते ही व्यवस्थाएं धड़ाम हो जाती हैं। उन्होंने हाजीपुर और राघोपुर दोनों जगह लोगों को पांच-पांच सौ रुपये बांटे और महिलाओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए। राघोपुर में पप्पू यादव ने खुद पूरी बनाकर बाढ़ पीड़ितों को खिलाई और वहीं रात्रि विश्राम भी किया, जिससे स्थानीय लोग काफी खुश नजर आए। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों में व्यवस्थाएं एकदम लचर हैं। पैसे बांटने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से लोगों के लिए पैसा बांट रहा हूं। बिहार के लोग मेरे भगवान हैं, दूसरे नेता मंदिर में दूध चढ़ाते हैं, मैं जनता की पूजा करता हूं और जनता को ही चढ़ाता हूं। उन्होंने बाढ़ को लेकर दिए गए बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। ललन सिंह के बयान पर पप्पू यादव ने ऐसे बयान देने वालों की संपत्ति की जांच की मांग की। प्रशांत किशोर के बाढ़ हर साल आता है जैसे सूरज उगता है वाले बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर नई नवेली दुल्हन हैं, जो सास से सीखकर बयानबाजी कर रहे हैं। सिर्फ राजनीतिक बयान देते हैं, जनता के बीच नजर नहीं आते।

तमिलनाडु में विजय थलपति की सरकार गिराने की तैयारी?

साथ आ रहे सारे विरोधी, बना रहे रणनीति

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के विरोधी दल उनकी तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार के खिलाफ एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (एआईएडीएमके) ने प्रमुख विपक्षी दल एमके स्टालिन की डीएमके को साथ आने का सीधा चैलेंज दिया है। एआईएडीएमके ने यह भी कहा है कि टीवीके के खिलाफ अन्य नई पार्टियां भी उनके साथ आ सकती हैं। हालांकि, इस चुनौती पर डीएमके की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पूर्व मुख्यमंत्री एडापड्डी के. पलनीस्वामी से जब टीवीके के खिलाफ गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हाँ, हम भी टीवीके के खिलाफ हैं। अगर कोई दूसरी पार्टी इसमें शामिल होना चाहती है, तो हम उनका स्वागत करेंगे। हमारा गठबंधन जैसा है, वैसा रहेगा, और अगर दूसरी पार्टियां आना चाहती हैं, तो वे शामिल हो सकती हैं। इस दौरान उन्होंने डीएमके को चुनौती देते हुए कहा, अगर नई पार्टियां हमारे साथ आना चाहती हैं, तो आ सकती हैं। क्या डीएमकेज क्या डीएमके आएगी? क्या आप यह सवाल पूछ सकते हैं? यह राजनीतिक सरगर्मी तब तेज हुई है, जब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद एआईएडीएमके के छह विधायक टूटकर विजय की टीवीके में शामिल हो गए थे, और बचे हुए विधायक भी दो गुटों में बंट गए थे। हालांकि, डीएमके नेता आरएस भारती जून में दोनों दलों के साथ आने से इनकार कर चुके थे, लेकिन उन्होंने कहा था कि अगर डीएमके और एआईएडीएमके भविष्य में साथ आते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं होगा। वहीं, अगस्त में स्टालिन ने कहा था कि उनकी पार्टी राजनीतिक वापसी करने में सक्षम है और वह पूरे राज्य में मतदाताओं का समर्थन फिर से हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने विजय पर निशाना साधते हुए कहा था, वह (विजय) विधानसभा को फिल्म का सेट समझते हैं और डायलॉग बोलते हैं। इस बीच, टीवीके बुधवार को चेन्नई में सहयोगी दलों के साथ अपनी दूसरी समन्वय बैठक करेगी। हालांकि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस, वीसीके, आईयूएमएल और एमडीएमके के बैठक में शामिल होने की संभावना है। इस बैठक का उद्देश्य गठबंधन को औपचारिक रूप देना, साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करना, संचालन समिति गठित करना और

गठबंधन का आधिकारिक नाम तय करना है। हालांकि, 2029 के लोकसभा चुनाव में विजय को प्रधानमंत्री पद का संभावित चेहरा बनाए जाने की टीवीके नेताओं की मांग को लेकर कांग्रेस के साथ भी मतभेद सामने आए हैं, क्योंकि कांग्रेस राहुल गांधी को विपक्षी गठबंधन का प्रमुख चेहरा मानती है। टीवीके ने विजय फॉर पीएम की मांग को व्यक्तिगत राय करार दिया है।

झारखंड में लगातार 3 शिक्षा मंत्रियों का निधन , मौत के पीछे के कारणों की हो रही तलाश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में शिक्षा मंत्री का पद अब राजनीति में प्रचलित अंधविश्वास की कहानियों में शुमार हो गया है। लगातार तीसरे शिक्षा मंत्री की असामयिक मौत ने इस पद को लेकर गंभीर चर्चा और आशंकाएं पैदा कर दी हैं। पहले जगरनाथ महतो, फिर रामदास सोरेन और अब सुदिव्य सोनू के निधन ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या इस पद के साथ कोई अशुभ जुड़ा है। हेमंत सोरेन ने 2019 में जब भाजपा से सत्ता छीनी, तो उनकी सरकार में 'टाइगर' नाम से मशहूर जगरनाथ महतो को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। कोविड महामारी के समय उनके फेफड़े संक्रमित हुए और 6 अप्रैल 2023 को उनका निधन हो गया। जगरनाथ महतो के बाद रामदास सोरेन को शिक्षा मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया, लेकिन साल भर में ही वे भी चल बसे। इन दो मौतों के बाद पद पर बैठाने की बारी आई तो तीसरे शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू को बनाया गया, जो हेमंत सोरेन सरकार के संकटमोचक और जेएमएम में भरोसेमंद नेता माने जाते थे। हाल ही में 6 सितंबर 2026 को उनका भी निधन हो गया, जिसने इस पद के इर्द-गिर्द अंधविश्वास की कहानियों को और बल दे दिया है। यह सिर्फझारखंड की बात नहीं, राजनीति में ऐसे कई अंधविश्वास प्रचलित हैं। बिहार में लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने मंत्री आवास (3, देशरत्न मार्ग) को 'भूतिया' बता दिया था, जब महागठबंधन सरकार गिरने के बाद 2018 में उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। उनका आरोप था कि भाजपा और नीतीश कुमार ने इस आवास में भूत भेज दिए हैं। पटना में 39, हार्डिंग रोड और स्ट्रैंड रोड का बंगला नंबर 6 जैसे कई अन्य सरकारी आवासों के बारे में भी यही धारणा रही है कि यहां रहने वाले मंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते। उत्तर प्रदेश में भी नोएडा को लेकर राजनीतिकों के बीच ऐसा ही अंधविश्वास रहा कि जो भी मुख्यमंत्री वहां गया, उसकी कुर्सी चली गई। जून 1988 में वीर बहादुर सिंह, 1989 में एन.डी. तिवारी के बाद मुलायम सिंह यादव, मायावती और कल्याण सिंह के उदाहरण दिए जाते थे, जिनकी नोएडा दौरे के बाद सत्ता चली गई। इसी भय से 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहते हुए नोएडा जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

तिब्बत में तबाही की आहट: 2 घंटे में दो भूकंप, भारत में भी हिली धरती

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार की सुबह तिब्बत, नेपाल और भारत में भूकंप का असर दिखाई दिया है। बता दें कि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, आज सुबह ठीक 5 बजकर 33 मिनट पर धरती कांप उठी, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से लगभग 121 किलोमीटर की गहराई में था। इसके करीब दो घंटे बाद, सुबह 7 बजकर 23 मिनट पर एक बार फिर से झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता थोड़ी कम होकर 3.1 दर्ज की गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब 3 सितंबर, 2026 को भी तिब्बत क्षेत्र में 5.0 से 5.1 तीव्रता का एक वास्तविक भूकंप दर्ज किया गया था।

तिब्बत में हाल ही में ग्लेशियर टूटने की भयावह घटना के बाद, जहाँ बनी-बनाई इमारतें सेकंड्स में ढह गईं और 1200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, अब धरती

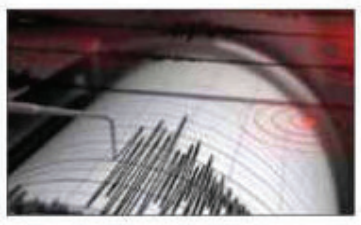

एक बार फिर कांप उठी है। आज सुबह तिब्बत क्षेत्र में दो घंटे के भीतर लगातार दो भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे क्षेत्र में एक नई तबाही की आशंका गहरा गई है। इन झटकों का असर भारत के जम्मू-कश्मीर में भी महसूस किया गया, जहाँ रिक्टर स्केल पर 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। हालांकि इन झटकों की तीव्रता कम थी, फिर भी स्थानीय लोगों में थोड़ी घबराहट फैल गई। तिब्बत के अलावा, नेपाल में भी 5 मैग्नीट्यूड से ऊपर का भूचाल आया, जिससे वहाँ के निवासियों की चिंता बढ़ गई है, खासकर जब वहाँ पहले से ही ग्लेशियर त्रासदी के बाद राहत कार्य चल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 3.2 से 4.5 तीव्रता के भूकंप आमतौर पर हल्के माने जाते हैं और इनसे दीवारों में दरारें आने जैसा हल्का नुकसान तो हो सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर तबाही की आशंका बहुत कम होती है। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त 2026 की सुबह तिब्बत और नेपाल की सीमा के पास एक ग्लेशियर टूटा था। इससे आए जोरदार झटके को शुरुआत में 5.2 तीव्रता का भूकंप समझा गया था, लेकिन बाद में वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि वह भूकंप नहीं बल्कि भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के गिरने से पैदा हुआ कंपन था। इस आपदा के कारण नेपाल और तिब्बत के सीमाई इलाके में भोटे कोशी-त्रिशुली नदी घाटी में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही मची थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली हादसे के बाद जम्मू की जर्जर इमारतों पर होने लगे सवाल

-असुरक्षित घोषित परिसर में चल रहे दर्जनों कारोबार, दुकानदार बोले- मजबूरी में काम करना पड़ रहा

जम्मू, एजेंसी। दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत हादसे के बाद देशभर में असुरक्षित और अवैध निर्माण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी कड़ी में जम्मू के वेयरहाउस इलाके में ऐसी इमारतें सामने आई हैं, जिन्हें सरकार औपचारिक रूप से असुरक्षित घोषित कर चुकी है। इसके बावजूद इन इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर व्यापारिक प्रतिष्ठान चल रहे हैं।

शहर के बीच स्थित इन इमारतों में ऊपर की दो मंजिलों पर सरकारी क्वार्टर थे। प्रशासन ने इन्हें असुरक्षित घोषित करने के बाद यहां रह रहे लोगों को क्वार्टर खाली करने के निर्देश दिए। हालांकि, इन्हीं इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर चल रहे दर्जनों व्यापारिक प्रतिष्ठानों की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। इन दुकानों में कई दर्जन लोग रोजाना काम करते हैं। दुकानदारों और वहां काम करने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें इमारत की स्थिति को लेकर डर लगता है, लेकिन वे रोजगार की मजबूरी में काम जारी रखे हुए हैं। उनका कहना है कि सरकार ने सरकारी क्वार्टर तो खाली करा दिए, लेकिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। यदि सरकार दुकानों को भी खाली कराती है और दूसरी जगह उपलब्ध कराती है तो वे वहां जाने के लिए तैयार हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इमारत की जर्जर हालत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि

आए दिन सीमेंट, सरिया और ईंटों के हिस्से टूटकर नीचे गिरते हैं। आसपास काम करने वाले लोगों ने दावा किया कि कई बार वे इन गिरते मलबों की चपेट में आने से बाल-बाल बचे हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले लोगों की जान बचाई जा सके।

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को खारिज किया

-पवन खेड़ा से मुलाकात पर दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। शहजाद पूनावाला फिलहाल राजनीति से दूर हैं, लेकिन राजनीति उनसे दूर होती नहीं दिख रही है। हाल ही में सामने आईं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के साथ उनकी तस्वीरों ने अटकलों का नया दौर शुरू कर दिया था। हालांकि, उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया पर फोटोज पर सफाई दी है। खास बात है कि पूनावाला पहले ही कांग्रेस में शामिल होने से इनकार कर चुके हैं। वायरल हो रही फोटोज में नजर आ रहा है कि पूनावाला और खेड़ा दोनों साथ खड़े हैं और हाथ मिला रहे हैं। वहीं, पूनावाला ने इस फोटो के पीछे की कहानी सोशल मीडिया पर बताई है। उन्होंने कहा है कि यह तस्वीर एडिट कर शेयर की गई है और एक कार्यक्रम के दौरान ली गई थी। उन्होंने कांग्रेस में जाने से जुड़ी अटकलों पर विराम एक बार फिर लगा दिया है। शहजाद पूनावाला ने लिखा, सभी जग्गा जासूस जैसे लोगों के लिए। मैं कल पायल मेहता के पिता की याद में आयोजित कार्यक्रम में गया था। जैसी उम्मीद थी वैसा ही हुआ और कई राजनीतिक दलों के नेता भी वहां पर पहुंचे थे। मुझे खुशी है कि कांग्रेस पार्टी से भी कई नेता वहां पर आए थे। उन्होंने आगे लिखा, मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त और भाई किरेन रिजिजू से बात कर रहा था और कई पत्रकार उनसे उनकी स्विमिंग की तस्वीरों के बारे में पूछ रहे थे। जैसे ही हमने पवन खेड़ा का जिक्र किया, तो संयोग से वह सामने से चलकर आ रहे थे और मैंने उन्हें अपनी बातों में शामिल कर लिया और राज्यसभा के लिए चुने जाने पर बधाई दी। प्रफुल्ल पटेल जी हमारी बातचीत को सुन रहे थे। उन्होंने आगे लिखा, सभी अफवाहों पर विराम लगाने के लिए, मैं कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहा हूं। मुझे दुनिया की सबसे अच्छी पार्टी भाजपा से कोई दिक्कत नहीं है। और शोक सभाओं में कहीं शामिल होने जैसी बातें नहीं की जाती हैं। कोई भी इतना बेशर्म नहीं है कि ऐसी जगह का इस्तेमाल इन बातों के लिए करे। अगस्त में एक बातचीत में जब कांग्रेस में जाने से जुड़ा सवाल किया गया, तो उन्होंने तंज कस दिया था। पूनावाला ने कहा था, मैं कांग्रेस में शामिल हो जाऊंगा। एक शर्त पर। राहुल गांधी को हटा दो, सोनिया गांधी, प्रियंका वाड्रा को हटा दो। नेहरू के कामों पर माफी मांगो। उन्होंने साल 2017 में कांग्रेस से दूरी बना ली थी।

कॉस्मेटोलॉजी के फील्ड में संवारें अपना कॅरियर...

अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। वर्तमान समय में कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री तेजी से ग्रोथ कर रहा है।

आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में न सिर्फ शहर बल्कि गांव तक में ब्यूटी सैलून, स्पा और कॉस्मेटिक क्लिनीक्स में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जिसकी वजह से तेजी से कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री में ग्रोथ आ रहा है। आपको बता दें कि ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2027 तक भारत की कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री की वर्थ 33.3 मिलियन यूएस डॉलर पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कॉस्मेटोलॉजी में किस तरह से अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी के लिए योग्यता

कॉस्मेटोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के लिए जरूरी है कि आपने मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र कॉस्मेटोलॉजी में अपना कॅरियर बना सकते हैं। इस कोर्स को करने में 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। साथ ही आप इस कोर्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी में आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट कर सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी का स्कोप

इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले लोग कॉस्मेटिक सर्जन, मेकअफ आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, नेल आर्टिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, ब्यूटी कॉपीराइटर, ब्यूटी ब्लॉगर, इमेज स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट जैसे प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एक महीने में 25 हजार से 35 हजार रुपए तक आसानी से कमा सकते हैं। वहीं आप बतौर हेयर स्टाइलिस्ट, नेल टेक्नीशियन, फैशन शो स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट बन ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

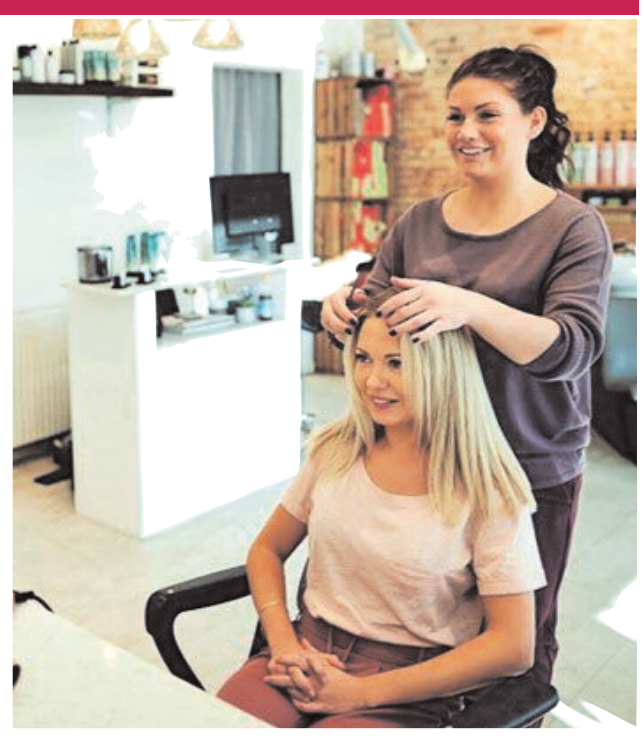

बेहतर करियर हो सकता है
ऑप्थैलमिक असिस्टेंट

मेडिकल सेक्टर में डॉक्टर बनने के अलावा अब करियर के अनगिनत विकल्प हैं। अगर आप इसमें एंट्री करना चाहते हैं, तो ऑप्थैलमिक असिस्टेंट एक बेहतर करियर हो सकता है। इस तरह के ट्रेंड प्रोफेशनल अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से आंखों की जांच करके सटीक डायग्नोसिस तक पहुंचते हैं।

मेडिकल फील्ड में पैरामेडिकल साइंस की भूमिका को आज के दौर में कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायग्नोस्टिक तकनीक हेल्थकेयर सेक्टर के लिए सबसे बड़ा वरदान साबित हुई है। आज अमूमन सभी स्पेशलिस्ट आम तौर पर लैब टेस्ट, एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन की रिपोर्ट्स के नतीजों पर ही निर्भर हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 2050 तक देश की आबादी करीब 150 करोड़ हो जाएगी। आज आबादी के लिहाज से देश में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट, लैब टेक्निशियन या रेडियोलॉजिस्ट जैसे ट्रेंड क्वॉलिफाइड स्टाफ की बेहद कमी है। मौजूदा समय में देश में करीब 10 लाख पैरामेडिकल स्टाफ की शॉर्टेज है।

क्या है ऑप्थैलमोलॉजी?

ऑप्थैलमोलॉजी चिकित्सा विज्ञान की ही एक शाखा है। इसमें आंख संबंधी बीमारियों की जांच व उपचार किया जाता है। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट हेल्थकेयर सेक्टर का एंट्री-लेवल जॉब है। ये ऑप्थैलमोलॉजिस्ट, यानी नेत्र चिकित्सक के सह यक के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं। किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट मुख्य रूप से मरीजों की मेडिकल इंफॉर्मेशन जुटाने, उपचार के बारे में उन्हें समझाने से लेकर चिकित्सक से पहले मरीजों की कुछ आरंभिक जांच करने तथा उपकरणों को मेंटेन रखने जैसी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

जॉब के अवसर

ऑप्थैलमोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद युवा सरकारी या प्राइवेट दोनों तरह के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स हॉस्पिटल्स, नर्सिंग होम्स, आई क्लीनिक्स, लेजर आई सर्जरी क्लीनिक्स, डायग्नॉस्टिक सेंटर्स आदि में जॉब पा सकते हैं। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट अनुभव के बाद टेक्निशियन बनकर खुद का क्लीनिक या आई सेंटर भी खोल सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

ऑप्थैलमिक असिस्टेंट बनने के लिए देश के कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान कोर्स ऑफर कर रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी विषयों से 12वीं पास युवा ऑप्थैलमोलॉजी में 2 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

कोर्स पूरा करने के बाद एक ऑप्थैलमिक असिस्टेंट के रूप में शुरूआत करने पर 10 से 12 हजार रुपए सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 25 से 30 हजार रुपए तक सैलरी पा सकते हैं।

अगर पढ़ाई करते समय नींद आए तो पढ़ें अपना पसंदीदा विषय

क्या आपको अलसुबह पढ़ाई करते समय नींद आती है क्या आप सुबह पढ़ाई करने पर आपको कुछ याद नहीं होता है? अगर हां तो, जान लें कि सुबह-सुबह पढ़ाई करते हुए नींद आने की यह बहुत आम समस्या है। लाखों छात्र ऐसे हैं जो सुबह पढ़ाई करने उठते तो हैं, लेकिन नींद आने के कारण पढ़ाई कर नहीं पाते। नींद की वजह से हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है और हमें कुछ याद नहीं आता। आंखों में नींद घुलने पर हम कुछ समय तो जबरदस्ती पढ़ने की कोशिश करते हैं लेकिन आखिर में जब सब कुछ हमारे बस से बाहर हो जाता है तो हमें बेबस होकर सोना ही पड़ता है। जिसके कारण छात्र चाहकर भी अपना सिलेबस पूरा नहीं कर पाते और दूसरों से पीछे रह जाते हैं। आपकी इस समस्या को ध्यान में रखकर हम यहां पर आसान टिप्स लेकर आए हैं, जिनको फॉलो करने पर आपकी नींद भाग जाएगी और आप आसानी से पढ़ाई कर सकेंगे।

अच्छी रोशनी में करें पढ़ाई

सुबह उठने के बाद बहुत से विद्यार्थी सिर्फ एक स्टडी लैंप जला कर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं। एक लैंप की वजह से कमरे के बाकी हिस्से में तकरीबन अंधेरा रहता है। इस कम रोशनी और शांति वातावरण में नींद आना स्वभाविक है। ऐसी स्थिति में स्टडी रूम की लाइट ठीक रखें।

बेड पर बैठकर कभी न करें पढ़ाई

छात्रों के बीच यह समस्या भी आम है। कई लोग सुबह उठने के बाद बेड पर बैठकर ही पढ़ाई शुरू कर देते हैं। इससे आपको आलस आ सकता है। आप धीरे धीरे लेट कर पढ़ने की कोशिश करेंगे और फिर नींद आपको अपने आगोश में ले लेगी। इसलिए पढ़ाई करते समय हमेशा कुर्सी पर सही ढंग से पीठ सीधी करके ही बैठें। सामने एक टेबल रखें और किताब गोद में रखकर पढ़ने की बजाए सामने टेबल पर रखकर पढ़ें। कुर्सी पर बैठे समय भी अपने हाथ या पांव कुछ-कुछ समय बाद हिलाते रहें। इससे आपके अन्दर सक्रियता बनी रहेगी।

सुबह उठकर ताजी हवा लें और टहले

सुबह उठने के बाद अगर आप तुरंत पढ़ाई करने बैठ जाएंगे, तो जाहिर है आपको नींद आएगी ही। इसलिए उठने के बाद सबसे पहले अपनी दैनिक क्रिया पूरी करें ओर फिर बालकनी में या फिर बाहर जाकर थोड़ी देर टहलें। इससे जहां आपकी एक्सरसाइज हो जाएगी वहीं आपको ताजी हवा भी मिलेगी। इस क्रिया से आपकी नींद पूरी तरह से गायब हो जाएगी। इसके बाद आप कई घंटे तक आराम से पढ़ाई कर सकते हैं।

जल्दी सोएं और जल्दी उठने का रूटीन बनाएं

जल्दी सोने और जल्दी उठने से शारिरिक तंदरुस्ती, समृद्धि व दिमागी शक्ति में बढ़ावा होता है। छात्रों के जीवन में भी इस कथन का उतना ही महत्व है जितना एक आम आदमी के जीवन में। रात को जल्दी सोने से आप प्रयाप्त नींद ले सकते हैं, जिससे आप सुबह बिलकुल तरोताजा उठेंगे। फ्रेश माइंड से चीजें याद रखना बहुत ही आसान होता है। वहीं नींद पूरी होने के बाद पढ़ाई करते वक्त फिर से नींद आने का कोई मतलब नहीं बनता।

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीएं

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीयें। साथ ही पढ़ाई के दौरान भी कुछ कुछ समय बाद पानी पीते रहें। यह न सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा बल्कि इससे आपको एक और फायदा मिलेगा। ज्यादा पानी पीने से आप को कुछ-कुछ देर बाद अपनी सीट से उठकर टॉयलेट के लिए जाना पड़ेगा, जिससे आपके शरीर की निष्क्रयता टूटेगी और आप सक्रिय बने रहेंगे। साथ ही ज्यादा पानी पीने से दिमाग हाइड्रेटेड व तरोताजा रहता है। इससे सक्रियता बनी रहती है जिससे आसानी से पाठ याद करने में सहायता मिलती है।

नींद आए तो चेहरे पर पानी के छींटे मारें

देर रात तक लगातार पढ़ने के बाद अगर आप सोते हैं, तो सुबह उठने में मुश्किल होती है। थके हुए दिमाग के साथ पढ़ाई करने पर हमें बार-बार नींद आती है। अगर आपके साथ ऐसा हो तो तुंरत उठें और बाथरूम में जाकर अपने चेहरे पर पानी के छींटे मारे। इससे आपकी सुस्ती व उनींदापन दूर होगा और आपका दिमाग नए तरीके से चीजों को याद करने के लिए तरोताजा हो जायेगा। पढ़ने व याद करने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है। सुबह पढ़ा विषय अच्छे से याद होता है। हालांकि अगर पढ़ते हुए आपको नींद आती है तो आप सुबह पढ़ने के लिए वो विषय चुनें जो आपके फेवरेट हो और जिन्हें आप आसानी से समझ व याद कर सकते हैं। सरल विषय या टॉपिक्स को पढ़ने और याद करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। जिससे आपको बोरियत भी नहीं होगी और आप ज्यादा देर तक बैठकर पढ़ाई कर पाएंगे।

लिखकर करें या बोल कर करें पढ़ाई

अगर आप पढ़ाई के दौरान नींद से परेशान रहते हैं तो यह तरीका पढ़ाई करते वक्त होने वाली बोरियत तथा आने वाली नींद को दूर भगाने में काफी हद तक कारगार सिद्ध होता है। हर विषय को इस तरह से बोल बोल कर पढ़ें जैसे कि क्लास में टीचर पढ़ाते हैं। इससे आपका दिमाग सतर्क बना रहता है और नींद आने की सम्भावना भी कम हो जाती है। इसके अलावा खुद को एक्सप्लेन करके पढ़ने से चीजों को याद करना भी बहुत आसान हो जाता है। इसके साथ ही पाठ को सिर्फ मौखिक रूप से याद करने की बजाये मुश्किल उत्तरों या सवालों को लिखकर भी याद करें।

अंक शास्त्री बनकर संवारा जा सकता है भविष्य

न्यूमरोलॉजी एक बेहद पुरानी प्रैक्टिस है, जिसका सालों से पूरी दुनिया में अभ्यास किया जाता रहा है। अपनी जन्मतिथि और पूरे नाम के आधार पर एक सरल चार्ट बनाकर, आप अपने और दूसरों के लिए संतोषजनक अंतदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा। भले ही फिर बात बच्चों की पढ़ाई की हो या फिर कॅरियर की, अंक शास्त्र के जरिए भविष्य की परतों को खोलने की कोशिश की जाती है। अगर आप भी चाहें तो बतौर न्यूमरोलॉजिस्ट या अंक शास्त्री बनकर ना सिर्फ खुद का बल्कि दूसरों का भी भविष्य संवारा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं इस करियर क्षेत्र में बारे में विस्तारपूर्वक-

क्या है न्यूमरोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि बहुत से लोग सोचते हैं कि न्यूमरोलॉजी पूरी तरह से कन्फयूजिंग मैथ्स, फार्मूला और कई तरह के विभिन्न सिद्धांतों से भरी हुई है। जबकि ऐसा नहीं है। अंक विज्ञान वास्तव में संख्याओं की मदद से दूसरों की समस्याओं से सुलझाने की एक कला है। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि संख्याएं भविष्य कैसे बता सकती हैं। संख्याओं में गहरे अर्थ और प्रासंगिक जानकारी के साथ आपके भविष्य को समझने की शक्ति है। यदि आप ज्योतिष से अवगत हैं, तो निश्चित रूप से आप जानते हैं कि ज्योतिष व्यक्ति के जन्म की तारीख, समय और जन्म के समय के माध्यम से भविष्य की भविष्यवाणी करने का एक तरीका है। कुंडली के माध्यम से ज्योतिषी व्यक्ति के भविष्य और जीवन से जुड़ी जानकारी बताते हैं। ठीक उसी तरह, न्यूमरोलॉजी भी काम करती है।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, न्यूमरोलॉजिस्ट व्यक्ति के जन्म की तारीख का उपयोग उसके व्यक्तित्व लक्षण, भाग्य, घटनाओं और परिस्थितियों का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। ज्योतिष की तरह, न्यूमरोलॉजी व्यक्ति के जीवन का एक खाका प्रदान करती है जो काफी सटीक है। न्यूमेरोलॉजिस्ट बनने के कई तरीके हैं। लेकिन किसी चीज में विशेषज्ञ बनने के लिए, आपको कला को पूरी तरह से सीखना होगा। ऐसे कई विकल्प हैं जिनके माध्यम से आप न्यूमेरोलॉजी सीख सकते हैं और न्यूमरोलॉजी विशेषज्ञ बन सकते हैं। इसके लिए कोई शैक्षणिक योग्यता का होना आवश्यक नहीं है। आज कई न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट खुद ही सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स प्रदान करते हैं। इन कोर्स को करने से आपको अंक शास्त्र और नंबरों के पीछे की गहराई को समझने में मदद मिलती है। इसके बाद आप बतौर एक प्रोफेशनल न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। वैसे इन दिनों न्यूमरोलॉजी के क्षेत्र में ऑनलाइन कोर्स का चलन भी काफी बढ़ गया है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जहां तक प्रश्न व्यक्तिगत योग्यता का है तो इसके लिए सबसे जरूरी है कि आपके भीतर अंकों व उसकी गहराई को जानने की इच्छा हो। इस क्षेत्र में चीजों को सीखने व समझने के लिए बेहद धैर्य की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, दूसरों की परेशानी को सुनकर सटीक अनुमान लगाना भी आपको आना चाहिए। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को आसान बनाते हैं।

संभावनाएं

आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा और इसलिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट हमेशा डिमांड में रहते हैं। आप चाहें तो स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं या फिर शुरूआत में किसी अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करना अच्छा रहेगा। इसके अलावा, कई मीडिया हाउस भी न्यूमरोलॉजी शो प्रसारित करते हैं, जिनके लिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है।

संक्षिप्त समाचार

'बदला नहीं, न्याय चाहिए', मणिपुरी संगीतकार विक्रम की पत्नी बोलीं- नहीं चाहती किसी और परिवार के साथ ऐसा हो

नईदिल्ली, एजेंसी। जिस घर में गिटार की मधुर धुन गूंजा करती थी, वहां अब सन्नाटा है। मणिपुर के संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की

मौत ने पत्नी जोशना चोंगथम और पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मणिपुर भवन में मंगलवार को मीडिया से करते हुए जोशना ने कहा कि हम विक्रम की मौत का बदला नहीं चाहते, हम न्याय चाहते हैं, ताकि किसी और परिवार के साथ ऐसा ना हो। इन अल्फाजों के साथ ही भावनाओं के सैलाब ने आंखें नम कर दीं। रूंधे गले से बताया कि विक्रम को खोने का दर्द शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्हें मणिपुर ही नहीं बंगाल, असम और उत्तर पूर्व के राज्यों के लोगों का भी प्यार मिला था। जोशना ने कहा कि उनके परिवार ने जो खोया है, उसे वापस नहीं पाया जा सकता। लेकिन वह चाहती हैं कि इस घटना के बाद ऐसी स्थिति दोबारा किसी परिवार के सामने न आए। किसी और पत्नी को अपने पति को इस तरह न खोना पड़े और किसी बच्चे को अपने पिता के बिना बड़ा न होना पड़े। हम विक्रम को न्याय मिलने तक संघर्ष करते रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़े लोगों का आभार जताया। साथ ही लोगों से परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील की। कहा परिवार अभी गहरे सदमे में है और इस मुश्किल घड़ी में उन्हें शांति के साथ शोक मनाने का समय चाहिए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री व दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने मंगलवार को मणिपुरी गायक चोंगथम विक्रम सिंह के परिवार से मुलाकात की। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी दिल्ली शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के गायक की हत्या एक भयावह घटना है, लेकिन इसका कोई नस्लीय कोण नहीं है। मैं विपक्षी दलों से अनुरोध करता हूं कि वे इस घटना को नस्लीय रंग देने का प्रयास न करें। कहा दिल्ली सरकार की ओर से मामले की त्वरित सुनवाई के लिए मामला विशेष अदालत में चलाने की सिफारिश की जाएगी।

दिल्ली महापौर कार्यालय को नौवीं बार मिली बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर कार्यालय को मंगलवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली। लगातार नौवीं बार धमकी मिलने से निगम अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही महापौर कार्यालय की ओर से दिल्ली पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस ने तत्काल सुरक्षा-व्यवस्था सक्रिय करते हुए कार्यालय परिसर की सघन जांच की। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने महापौर कार्यालय के संवेदनशील स्थानों, प्रवेश और निकास द्वार समेत पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान कुछ संदिग्ध वस्तु नहीं मिला तो इसे भी हाक्स करार दिया गया। मध्य जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, मुगलवार सुबह 10 :11 बजे महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला था। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दमकलकर्मियों, डाग स्क्वायड और अन्य संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ परिसर खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, तलाशी के बाद कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिला। बम धमाके की धमकियां मिल चुकी हैं। लगातार मिल रही धमकियों को गंभीरता से लेते हुए महापौर कार्यालय की ओर से पूर्व में दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र भेजा गया था।

ब्रिक्स सम्मेलन पहले दिल्ली 'खाली' कराने की कवायद, फुटपाथों से बेघर-भिखारी और रेहड़ी वाले हटाए जा रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों के बीच राजधानी लुटियंस दिल्ली से लेकर प्रमुख सड़कों को शानदार रूप देने का काम जोरों पर है। इस सुंदरीकरण और सुरक्षा कवायद के बीच सड़कों और फुटपाथों पर रहने वाले बेघर, भिखारियों, नशेड़ी तथा सामान बेचने वालों को भी हटाने का क्रम जारी है। कनाट प्लेस, इंडिया गेट, भारत मंडपम, खान मार्केट, मंडी हाउस, निजामुद्दीन, व राजघाट और लाल किले जैसे प्रमुख इलाकों से बेघरों और भिखारियों को हटाने के लिए दिल्ली पुलिस, डूसिब, एमसीडी और एनडीएमसी का संयुक्त अभियान तेजी से चल रहा है।

प्रशासनिक दावों के मुताबिक यह कार्रवाई मेहमानों और वीवीआइपी रूटों की सुरक्षा व व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बेघरों को दिल्ली के सरकारी आश्रय गृहों में भेजा जा रहा है। हालांकि, जमीनी स्तर पर दावा कुछ अलग ही है।

स्थानीय लोगों और बेघरों के लिए काम करने वाली सामाजिक संस्थाओं का आरोप है कि रैन बसेरों की सीमित क्षमता के कारण कई लोगों को केवल शहर के दूर-दराज इलाकों में ही नहीं, बल्कि दिल्ली की सीमाओं से बाहर जैसे मुरादनगर ले जाकर छोड़ा जा रहा है। हालांकि, एजेंसियों ने इस विस्थापन की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस पूरे अभियान का दायरा केवल फुटपाथ पर रात गुजारने वालों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हवाई अड्डे से लेकर विदेशी मेहमानों के रुकने के लिए बुक हुए बड़े होटलों और भारत मंडपम के आसपास के रूटों पर काम करने वाले अस्थाई कर्मचारियों, रेहड़ी-पटरी वालों व छोटे दुकानदारों को भी हटाया जा रहा है। सरकारी एजेंसियों और संस्थाओं का अनुमान है कि आइजीआइ एयरपोर्ट से लेकर नई व सेंट्रल जोन तक लगभग 3,500 से 4,000 बेघर लोग व बिखारी रहते हैं। पहले जी- 20 के समय भी ऐसा ही अभियान चला था, लेकिन आयोजन खत्म होते ही ये लोग फिर सड़कों पर लौट आए थे। सामाजिक कार्यकर्ताओं और मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि समस्या को सिर्फ अव्यवस्था मानकर दूर करने से हल नहीं निकलेगा।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर अब 'ऑल ईयर' वार, हजारों किमी सड़कें होंगी पक्की; 3000 ई-बसें भी दौड़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर के अन्य शहरों में वायु प्रूदषण रोकथाम के लिए अब सिर्फ सर्दियों में प्रतिबंध लगाने की जगह पूरे वर्ष एयरशेड (हवा के दायरे) पर आधारित कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए सड़कों में सुधार और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि इस वर्ष तीन हजार किलोमीटर सड़कों को शुरू से आखिर तक पक्का करने और तीन हजार नई ई बसें लाने का प्रस्ताव है। इंटरनेशनल डे आफ क्लीन एयर फार ब्लू स्काईज के अवसर पर सोमवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के रिसोर्स लैब, राहगिरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित क्लीन एयर डायलाग्स में वक्ताओं ने कहा कि सर्दियों में प्रदूषण रोकने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत प्रदूषण के स्तर को कम करने के उपाय किए जाते हैं। प्रभावी उपाय के लिए पूरे वर्ष औद्योगिक ईंधन को स्वच्छ ईंधन में बदलने, निर्माण स्थलों पर धूल को नियंत्रित करने, कचरा जलाने पर रोक लगाने और परिवहन को स्वच्छ साधनों में बदलने जैसे संरचनात्मक काम करने की आवश्यकता है।

डीयू के हजारों छात्रों के सामने हॉस्टल संकट, एनएचआरसी ने दिल्ली सरकार-सीजी को 15 अक्टूबर तक मांगी कार्ययोजना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में दाखिला लेने के बाद भी हजारों छात्रों के सामने रहने की जगह का संकट बना हुआ है। खासकर दिल्ली से बाहर से आने वाले विद्यार्थियों को किफायती छात्रावास नहीं

मिलने के कारण महंगे पीजी और निजी किराये के मकानों का सहारा लेना पड़ रहा है।

छात्रावासों की इस कमी को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गंभीर मानवाधिकार का मुद्दा मानते हुए अब दिल्ली सरकार और यूजीसी को जवाबदेह बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। एनएचआरसी ने दिल्ली के मुख्य सचिव और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ समन्वय कर छात्रावासों की वास्तविक कमी का आकलन करने और उसे दूर करने की ठोस, समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है।

आयोग ने साफ किया है कि महज नए छात्रावास बनाने का आश्वासन पर्याप्त नहीं होगा। मौजूदा छात्रावासों की क्षमता बढ़ाने, उनका विस्तार, नवीनीकरण और बुनियादी सुविधाओं में सुधार के साथ नए छात्रावासों की जरूरत भी तय करनी होगी। आयोग ने कालेज-वार छात्रावास की जरूरत का आकलन करने को भी कहा है। इसके साथ प्रस्तावित कार्य, संस्थागत एवं वित्तीय जिम्मेदारी और प्रत्येक काम को पूरा करने की समय-सीमा भी तय करनी होगी। मुख्य सचिव और यूजीसी अध्यक्ष को यह रिपोर्ट चार सप्ताह में, यानि 15 अक्टूबर 2026 तक, एनएचआरसी में दाखिल करनी होगी। यह मामला वर्ष 2025 में नेटवर्क फार एक्सेस टू जस्टिस एंड मल्टीडिसिप्लिनरी आउटरीच फाउंडेशन की शिकायत पर एनएचआरसी के सामने आया था। शिकायत में बताया गया कि डीयू में करीब 72 हजार स्नातक विद्यार्थी हैं, लेकिन इनके अनुपात में छात्रावासों की उपलब्धता बेहद कम है। बाहर से आने वाले विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सुरक्षित और किफायती आवास की होती है। महंगे पीजी का खर्च उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालता है और कई छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। 30 सितंबर 2025 को एनएचआरसी सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले में संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट समय पर नहीं मिलने पर आयोग को रिमाइंडर जारी करना पड़ा। बाद में डीयू ने अपना जवाब दाखिल किया। डीयू ने बताया कि उसके स्नातक कार्यक्रम 65 घटक और संबद्ध कालेजों के माध्यम से संचालित होते हैं। डीयू ने बाहर से आने वाले छात्रों की आवास संबंधी कठिनाइयों और अतिरिक्त छात्रावास सुविधाओं की आवश्यकता का भी उल्लेख किया।

5 साल में 32,596 मौतों का जिम्मेदार कौन कहीं इमारत गिरी तो कहीं आग ने ली जान; एनसीआरबी चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के शहरों में बुनियादी ढांचे और नागरिक सुरक्षा को लेकर सरकारी आंकड़े गंभीर तस्वीर पेश करते हैं। 2020 से 2024 के बीच इमारत गिरने, आग लगने और गड्ढों, मैनहोल या सीवर में गिरने जैसी घटनाओं में 32,596 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा 22,291 मौतें आग लगने की घटनाओं में हुईं।

पांच वर्षों में 32,596 मौतें सिर्फ हादसों का आंकड़ा नहीं हैं। ये शहरों में निर्माण, रखरखाव, सुरक्षा निरीक्षण और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। इ्हट्त्रक्क आधारित आंकड़ों के अनुसार, 2020 में इन घटनाओं में कुल 7,556 मौतें हुईं। 2021 में यह संख्या 6,486, 2022 में 6,529, 2023 में 6,054 और 2024 में 5,971 रही।

पांच साल के आंकड़ों में आग से 22,291 मौतें हुईं। 2020 में अकेले आग से 5,473 मौतें दर्ज हुईं। 2021 में 4,476, 2022 में 4,237 और 2023 में 3,991 मौतें हुईं। 2024 में यह संख्या फिर बढ़कर 4,114 हो गई। ताजा रिपोर्टिंग के मुताबिक, 2024 में आग से होने

वाली मौतों में बड़ी संख्या आवासीय या घरों में लगी आग से जुड़ी थी। 2020 से 2024 के बीच इमारत गिरने की घटनाओं में 5,951 लोगों की मौत हुई। 2022 में सबसे ज्यादा 1,285 मौतें दर्ज हुईं, जबकि 2024 में भी 1,047 लोगों की जान गई। दिल्ली में भी यह खतरा सामने आया है। 2020 से 2024 के बीच दिल्ली में लगभग 170 मौतें दर्ज हुईं। पांच वर्षों में गड्ढों में गिरने से 3,470 मौतें हुईं, जबकि मैनहोल या सीवर में गिरने से 1,094 लोगों की जान गई। गड्ढों से जुड़ी घटनाओं में 2022 सबसे घातक रहा। इस साल ऐसी घटनाओं में 800 मौतें दर्ज हुईं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये केवल अचानक होने वाली दुर्घटनाएं नहीं हैं। बेहतर रखरखाव, सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी से कई हादसे रोके जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये आंकड़े शहरी नागरिक सुरक्षा से जुड़ी सभी मौतों की पूरी तस्वीर नहीं दिखाते हैं। नगरपालिका सीमा के भीतर सड़क हादसों, जिनमें खराब सड़क या गड्ढों की भूमिका हो सकती है, और दूषित पानी से होने वाली मौतों का पूरा डेटा इसमें शामिल नहीं है। इसलिए 32,596 का आंकड़ा दर्ज मौतों का है, न कि शहरी नागरिक सुरक्षा से जुड़ी हर मौत का। विशेषज्ञों का कहना है कि हर कॉरपोरेटर या पार्षद, नगरपालिका अधिकारी और मेयर को अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। यह चिंता भी जताई है कि निर्माण प्रक्रिया को आसान बनाने और नियमों में ढील देने के दौरान सुरक्षा और निगरानी कमजोर नहीं होनी चाहिए।

मैं जिंदा हूं पर वोटर लिस्ट में मर गई', दिल्ली में एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट की गलतियों से खड़े हुए कई सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मैं 71 साल की हूं, बीमार जरूर हूं लेकिन जिंदा हूं। अस्पताल में इलाज चल रहा है, फिर भी चुनाव आयोग के कागजों में मुझे मृत घोषित कर दिया गया।

यह दर्द है जगदंबा कैंप की रहने वाली विरमा देवी का है। एसआईआर के बाद जारी हुई ड्राफ्ट मतदाता सूची में ऐसी गड़बड़ियों ने कई नागरिकों के मताधिकार पर संकट खड़ा कर दिया है।

राजौरी पहाड़ी के रहने वाले सतपाल सिंह की व्यथा भी कुछ अलग नहीं है। वे बताते हैं कि 1980 के दशक से उनका नाम वोटर लिस्ट में रहा है। इस बार परिवार के सभी सदस्यों के नाम सूची में बरकरार हैं, लेकिन उनका नाम गायब है। उनके अनुसार प्री-मैपिंग के दौरान ही उनका नाम काट दिया गया। जब वे कारण

जानने चुनाव अधिकारी के दफ्तर पहुंचे, तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। बीएलओ ने अपनी गलती मानते हुए नाम दोबारा जोड़ने का आश्वासन तो दिया है, लेकिन प्रक्रिया कब पूरी होगी, इसकी कोई स्पष्टता नहीं है। मंगलवार को वोटर अधिकार मंच की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता में ऐसे दर्जनों पीड़ित मतदाता सामने आए। किसी का नाम मृत तो किसी का स्थायी रूप से स्थानांतरित दर्शाकर सूची से बाहर कर दिया गया है। वर्ष 2025 में मतदान करने और सालों से एक ही जगह रहने के बावजूद नाम काटकर स्थानांतरित दिखा दिया गया।

आरोप है कि बीएलओ के चक्कर काटने के बावजूद उन्हें स्ढ्डक्रका फार्म तक मुहैया नहीं कराया गया।

क्षेत्र में ध्वस्तीकरण के बावजूद मतदाता वहीं रह रहे थे और 500 से अधिक फार्म भरे गए थे। इसके बावजूद बूथ संख्या 33 (अब 38) के 729 मतदाताओं में से 728 को स्थायी रूप से स्थानांतरित दिखा दिया गया और केवल एक का नाम सूची में रखा गया।

'आखिर कब तक' सत्य निकेतन हादसे के बाद अभाविप का डीयू में सेफ्टी मार्च, पीजी के सुरक्षा ऑडिट की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन हादसे के विरोध और छात्र सुरक्षा की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मंगलवार को डीयू के नार्थ कैंपस में स्टूडेंट सेफ्टी मार्च निकाला। आखिर कब तक के नारे के साथ निकाले गए मार्च में डीयू के विभिन्न कालेजों के बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया। मार्च रग्बी ग्राउंड से शुरू होकर आर्ट्स फैकल्टी पहुंचा। एबीवीपी ने मांग की कि दिल्ली विश्वविद्यालय और छात्र बहुल इलाकों में संचालित सभी पीजी आवासों का तत्काल सुरक्षा और संरचनात्मक आडिट कराया जाए। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले पीजी संचालकों और भवन मालिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। संगठन ने डीयू में नए छात्रावास बनाने और मौजूदा छात्रावासों की क्षमता बढ़ाने की भी मांग की, ताकि छात्र असुरक्षित पीजी और किराये के भवनों में रहने को मजबूर न हों। एबीवीपी ने सत्य निकेतन हादसे को प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताते हुए जिम्मेदारी तय करने और एमसीडी आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री डा. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छात्र भविष्य बनाने के लिए दिल्ली आते हैं, उन्हें सुरक्षित आवास के अभाव में जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए।

उपभोक्ता चाहते हैं पैकेट पर साफ दिखे 'ज्यादा चीनी-नमक-फैट' की चेतावनी, सर्वे का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थों में चीनी, नमक या फैट की मात्रा ज्यादा है तो इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को पैकेट के सामने ही साफ-साफ मिलनी चाहिए।

लोकल सर्कल्स के एक सर्वे में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने कहा कि किसी उत्पाद में इनमें से एक भी चीज तय सीमा से ज्यादा हो तो उस पर स्पष्ट चेतावनी होनी चाहिए।

उपभोक्ताओं ने यह भी कहा कि इसके लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के प्रस्तावित नियमों के दूसरे चरण का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए।

एफएसएसएआइ ने 28 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में एक प्रस्ताव पेश किया था। इसमें पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के सामने वाले हिस्से पर मिलाई गई चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की अधिक मात्रा होने पर तस्वीर के जरिए चेतावनी देने का प्रस्ताव है।

प्रस्ताव के तहत पैकेट पर लाल रंग के हेक्सागोनल आकार के निशान में 'ज्यादा चीनी', 'ज्यादा नमक', 'ज्यादा फैट' या 'बहुत ज्यादा मीठा पेय' जैसी चेतावनी दी जाएगी। इसे दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव है।

पहले चरण में चेतावनी उन उत्पादों पर लागू होगी, जिनमें मिलाई गई चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट में से कम से कम दो चीजें तय सीमा से ज्यादा हों। कुछ मीठे पेय भी इसके

दायरे में आएंगे।

वहीं, अगर किसी उत्पाद में इन तीन में से सिर्फ एक चीज ज्यादा है, तो प्रस्ताव के दूसरे चरण तक उस पर चेतावनी लेबल नहीं लगाने की बात कही गई है। उपभोक्ता चाहते हैं हर ज्यादा मात्रा की जानकारीसर्वे में शामिल ज्यादातर उपभोक्ताओं ने इस व्यवस्था से असहमति जताई। उनका कहना था कि किसी उत्पाद में सिर्फ चीनी, नमक या फैट में से एक की मात्रा भी ज्यादा है तो इसकी जानकारी पैकेट पर साफ तौर पर दी जानी चाहिए। इसे नियम के दूसरे चरण तक टालना नहीं चाहिए।

सर्वे में 23,516 प्रतिक्रियाएं मिलीं। इनमें 88 प्रतिशत लोगों ने कहा कि चेतावनी लेबल इतना बड़ा और स्पष्ट होना चाहिए कि उसे पैकेट के सामने से आसानी से पढ़ा जा सके। सर्वे में यह भी पूछा गया कि चेतावनी सिर्फ उत्पाद में मिलाई गई चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की मात्रा के आधार पर होनी चाहिए या उसमें मौजूद इनकी कुल मात्रा को भी देखा जाना चाहिए। इस सवाल का जवाब देने वाले 20,525 लोगों में 53 प्रतिशत ने कहा कि चेतावनी उत्पाद में मौजूद चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की कुल मात्रा पर आधारित होनी चाहिए। नियम लागू करने की समय-सीमा को लेकर भी उपभोक्ताओं ने जल्द कार्रवाई की मांग की। इस सवाल का जवाब देने वाले 20,068 लोगों में 88 प्रतिशत ने कहा कि नए नियम को छह महीने के भीतर लागू कर दिया जाना चाहिए।

दिल्ली में महिला ने रैपिडो बाइक बुक की, पहुंची दूसरे नंबर की स्कूटी; राइड-शेयरिंग एप्स की सुरक्षा पर उठे सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। 31 अगस्त को यशोभूमि से द्वारका सेक्टर-21 जाने के लिए एक महिला यात्री ने रैपिडो बाइक बुक की। ऐप पर दिख रहे वाहन नंबर से मौके पर पहुंची स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नंबर अलग था। पूछने पर राइडर कभी गाड़ी खराब होने तो कभी स्कूटी के चार्जिंग पर लगे होने का बहाना बनाने लगा।

मना करने के बावजूद वह जबरन बैठने का दबाव बनाता रहा और मजबूरी में महिला को सफर करना पड़ा। महिला का सवाल है कि अनहोनी होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी और यात्री पहचान कैसे सुनिश्चित करे। यह अकेला मामला नहीं है, राजधानी और आसपास रोजाना कई यात्री इस डर से जूझ रहे हैं।

बदरपुर निवासी अंजना शा का अनुभव वाहन नंबर बदलने से भी आगे का है। बुकिंग के समय ऐप पर जिस वाहन की जानकारी दी गई थी, पिकअप प्वाइंट पर उसकी जगह दूसरा माडल और वाहन लेकर राइडर पहुंचा। अंजना बताती हैं कि यात्री ऐप की जानकारी के आधार पर ही पहचान करता है। बिना किसी पूर्व सूचना के पूरा वाहन बदल जाने से यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि सामने आया वाहन उसी बुकिंग का हिस्सा है या नहीं।

नोएडा निवासी दीप्ति ने ओला से आटो बुक किया। पिकअप पर पहुंचे आटो का नंबर ऐप की जानकारी से अलग था। चालक ने आटो खराब होने की बात कही। दिन का समय और जल्दबाजी के कारण दीप्ति ने सफर तो कर लिया, लेकिन उनका कहना है कि रात के समय यह स्थिति बेहद खतरनाक हो सकती है। ऐसे में वास्तविक वाहन की ट्रैकिंग कैसे संभव होगी। अगर मौके पर पहुंचा वाहन ऐप में दर्ज डेटा से अलग है, तो ऐप का लाइव ट्रैकिंग और एसओएस/पैनिक बटन फीचर तकनीकी रूप से बेअसर हो जाता है, क्योंकि आन-रिकार्ड वह गाड़ी चल ही नहीं

रही होती। किसी वारदात की स्थिति में पुलिस रिकार्ड में ऐप पर दर्ज पुराना नंबर आएगा, जबकि अपराधी दूसरी गाड़ी से आसानी से फरार हो चुका होगा। दूसरी ओर, बिना परमिट या अलग वाहन से सवारी ढोने पर 5,000 से 10,000 रुपये तक का जुर्माना और वाहन जब्ती का नियम है, लेकिन परिवहन विभाग की ढिलाई से ऐसे चालकों के हौसले बुलंद हैं। यशोभूमि में महिला यात्री से हुई घटना के बारे में द्वारका क्षेत्र के परिवहन अधिकारी से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष नहीं मिला। सुरक्षा व्यवस्था और वाहन बदलने के नियमों पर रैपिडो और ओला से जवाब मांगा गया। रैपिडो ने ईमेल के जरिए खेद जताते हुए बताया कि संबंधित राइडर को प्लेटफार्म से स्थायी रूप से निलंबित (ब्लैकलिस्ट) कर दिया गया है, ताकि वह भविष्य में दोबारा न जुड़ सके। वहीं, ओला की ओर से खबर लिखे जाने तक कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ। ऐप में दिख रहे नंबर प्लेट और वाहन के माडल का मिलान किए बिना कभी भी न बैठें। अंतर होने पर राइडर के दबाव में न आएं, तुरंत उचित विकल्प चुनकर राइड कैंसिल करें।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com